सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 39, नई दिल्ली । रविवार, 21 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जिन व्यक्तियों को जीवन में पढ़ने की आदत होती है वह कभी भी अकेले नहीं हो सकते।

03 'देश आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव को तैयार'....
06 नक्सलवाद पर कब लगेगी नकेल?
08 श्री रामलला के निमंत्रण को ठुकराने वालों को जनता कभी माफ नहीं करेगी - अमित शाह

आईआरडीए द्वारा 1 अप्रैल 24 से स्वास्थ्य देखभाल बीमा में कुछ महत्वपूर्ण संशोधन

आईआरडीएआई ने स्वास्थ्य बीमा खरीद पर आयु सीमा हटाई

संजय बांटला

नई दिल्ली। एक अभूतपूर्व विकास में, भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत की है। हालिया घोषणा के साथ, नियामक संस्था ने स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों को खरीदने पर लगी सीमा को हटा दिया है, जो पारंपरिक बाधाओं से एक महत्वपूर्ण प्रस्थान है जो अक्सर व्यक्तियों को व्यापक कवरेज हासिल करने में सीमित करती है।

अब तक, व्यक्ति केवल 65 वर्ष की आयु तक नई बीमा पॉलिसी खरीदने तक ही सीमित थे। हालाँकि, 01 अप्रैल, 2024 से लागू हुए हालिया परिवर्तनों के साथ, कोई भी, उम्र की परवाह किए बिना, नई बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए पात्र है। पॉलिसी। इसके अतिरिक्त, बीमाकर्ताओं को विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा दावों और शिकायतों को संभालने के लिए समर्पित चैनल स्थापित करने का निर्देश दिया गया है।

इसके अलावा, बीमाकर्ताओं को ऐसे व्यक्तियों को स्वास्थ्य पॉलिसियाँ प्रदान करने के लिए बाध्य किया गया है। किसी भी k'd की

पहले से मौजूद चिकित्सीय स्थितियाँ। नतीजतन, बीमाकर्ताओं को कैंसर, हृदय या गुर्दे की विफलता, एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से इनकार करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

स्वास्थ्य बीमा में हाल के कुछ उल्लेखनीय संशोधन यहां दिए गए हैं:

जीवन बीमा कंपनियों के पास पांच साल तक चलने वाली विस्तारित स्वास्थ्य पॉलिसी लॉन्च करने का विकल्प है, जबकि सामान्य बीमाकर्ता और स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमाकर्ता अधिकतम तीन साल की अवधि के लिए पॉलिसी पेश करने तक सीमित हैं।

IRDAI ने स्वास्थ्य बीमा प्रतीक्षा अवधि को 48 महीने से घटाकर 36 महीने कर दिया है। बीमा नियामक के अनुसार, सभी पूर्व-मौजूदा स्थितियों को 36 महीने के बाद कवर किया जाना चाहिए, भले ही पॉलिसीधारक ने शुरुआत में उनका खुलासा किया हो या नहीं। सीधे शब्दों में कहें तो स्वास्थ्य बीमाकर्ताओं को इन 36 महीनों के बाद पहले से मौजूद स्थितियों के आधार पर दावों को खारिज करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

जीवन बीमाकर्ताओं को स्वास्थ्य योजनाओं को यूलिप (यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस) के साथ बंडल करने की स्वतंत्रता है। बीमाकर्ताओं को पॉलिसीधारकों की सुविधा के लिए किस्तों में प्रीमियम भुगतान की पेशकश करने की अनुमति है।

यात्रा पॉलिसियाँ केवल सामान्य और स्वास्थ्य बीमाकर्ताओं द्वारा ही पेश की जा सकती हैं।

प्रस्तावित विनियमन एक विशेष चैनल के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों की शिकायतों और दावों को संभालने का प्रयास करता है, जिससे उनके दावों के लिए अधिक अनुरूप और उत्तरदायी दृष्टिकोण सुनिश्चित किया जा सके।

वाहन चालक की दुविधा, अच्छा करके भी... जाने

परिवहन विशेष न्यूज

एक दो बड़े झटकों के साथ तेज रफ़्तार बस रुक गयी'

सभी यात्री ड्राइवर पर भड़कने लगे !

पर जब पसीना पसीना ड्राइवर ने बताया कि ब्रेक फेल हो गए थे, एक किलोमीटर पहले किसी तरह सँभालते हुए यहाँ पर रोकना ठीक लगा और .....सब बच गए !

तो सब ड्राइवर की भूरी भूरी प्रशंसा करने लगे ...

मगर थोड़ी देर में यात्रियों का ज्ञान जागृत होने लगा..

एक बोलता है अगर यहाँ तक ले आये तो धीरे धीरे घर तक ही ले जा...

दूसरा : मैं तो बाइक निकालने से पहले ब्रेक चेक करता हूँ...

तीसरा : अब हमारे रहने खाने दारू मुर्गा का बंदोबस्त यह ड्राइवर ही करेगा...

चौथा : टिकटो के पैसे का हिसाब दो यहाँ तक कितना लगा कितना बचा.

और ड्राइवर आख़िर में सोचने पर मजबूर हो जाता हैं की वैसे तो यह बचाये जाने लायक नहीं है, मगर मुझे तो अपना फर्ज निभाना ही है।

दिल्ली में रविवार को इन रास्तों पर जानें से बचें, पढ़ लें ट्रैफिक पुलिस की एडवाइजरी

भारत मंडपम में रविवार को भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या मे लोगों के एकत्र होने की उम्मीद हैं। इसको देखते हुए दिल्ली यातायात पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। प्रगति मैदान के आसपास सुचारु यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने कई रास्तों को बंद किया जाएगा और कई मार्गों पर डायवर्जन रहेंगे।

परिवहन विशेष न्यूज

नईदिल्ली। भारत मंडपम में रविवार को भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या मे लोगों के एकत्र होने की उम्मीद हैं। जिसके चलते भारत मंडपम के आसपास की सड़कों पर जाम की स्थिति बन सकती है। इसको देखते हुए दिल्ली यातायात पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

यातायात प्रतिबंध और परिवर्तन

प्रगति मैदान के आसपास सुचारु यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए है।

- भैरों मार्ग पर किसी भी वाहन को कहीं भी रुकने या पार्क करने की अनुमति नहीं होगी। जनता के लिए सामान्य प्रवेश की अनुमति नहीं है।
- उपरोक्त सड़कों पर पार्क किए गए वाहनों को हटा दिया जाएगा और चालानी कार्यवाही की जाएगी। टो किये गए वाहनों को भेरो मंदिर, भैरो मार्ग के सामने ट्रैफिक पिट में पार्क किया जाएगा।

आवश्यकता होने पर ये होंगे डायवर्जन पाइंट

- पुराना किला रोड-मथुरा रोड क्रासिंग शेरशाह रोड-मथुरा रोड क्रासिंग
- डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रासिंग
- पंडारा रोड-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रासिंग
- क्यू-प्वाइंट

इन मार्गों पर जाने से बचें

- भैरों मार्ग
- पुराना किला रोड
- मथुरा रोड डब्ल्यू-प्वाइंट से भैरों रोड क्रॉसिंग तक

यातायात पुलिस ने इन मार्गों पर जाने से बचने और अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने की अपील की है। साथ ही आईएसबीटी, रेलवे स्टेशनों और हवाई अड्डों की ओर जाने वाले वाहन चालकों को पर्याप्त समय रखते हुए यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी है।

पर्यावरण पाठशाला : पृथ्वी दिवस मनाना: स्वच्छ, हरित भविष्य के लिए कार्रवाई का आह्वान : अंकुर

परिवहन विशेष

जैसे-जैसे पृथ्वी दिवस नजदीक आता है, इस वार्षिक आयोजन का महत्व पहले से कहीं अधिक गहराई से प्रतिध्वनित होता है। 1970 में स्थापित, पृथ्वी दिवस भावी पीढ़ियों के लिए हमारे ग्रह की सुरक्षा और संरक्षण की तत्काल आवश्यकता की वैश्विक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और प्रदूषण जैसी बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच, पृथ्वी दिवस आशा की किरण के रूप में खड़ा है, जो दुनिया भर में व्यक्तियों और समुदायों को सार्थक कार्रवाई करने के लिए एकजुट करता है।

पृथ्वी दिवस की प्रासंगिकता सामूहिक कार्रवाई को प्रेरित करने और पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने की क्षमता में निहित है। यह शिक्षा, वकालत और गतिशीलता के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जो व्यक्तियों को अपने समुदायों और उससे परे सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए सशक्त बनाता है। पर्यावरणीय प्रबंधन और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देकर, पृथ्वी दिवस लोगों को टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने और पर्यावरण-अनुकूल जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

पृथ्वी दिवस की गतिविधियों में भाग लेना एक स्वच्छ, हरित ग्रह में योगदान करने का एक मूल्यवान अवसर प्रस्तुत करता है। चाहे सामुदायिक सफाई पहल, वृक्षारोपण अभियान, या वकालत कार्यक्रम के माध्यम से, व्यक्तियों के शामिल होने और बदलाव लाने के अनगिनत तरीके हैं। यहां कुछ विचार दिए गए हैं कि आप पृथ्वी

दिवस समारोह में कैसे भाग ले सकते हैं और अपने संबंधित क्षेत्रों को स्वच्छ और हरित बनाने में मदद कर सकते हैं:

सामुदायिक सफाई का आयोजन करें:

स्थानीय सफाई कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दोस्तों, परिवार और पड़ोसियों को इकट्ठा करें। अपने परिवेश को सुंदर बनाने और प्रदूषण को रोकने में मदद करने के लिए पार्कों, समुद्र तटों के किनारे या अपने पड़ोस में कूड़ा उठाएं।

पेड़ और बगीचे लगाएँ:

वृक्षारोपण गतिविधियों में भाग लें या सामुदायिक उद्यान परियोजना शुरू करें। पेड़ लगाने से न केवल कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके जलवायु परिवर्तन से निपटने में मदद मिलती है बल्कि जैव विविधता भी बढ़ती है और वायु की गुणवत्ता में भी सुधार होता है।

कम करें, पुनः उपयोग करें, पुनर्चक्रण करें:

अपने दैनिक जीवन में तीन बातों का अभ्यास करें - कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनर्चक्रण करें। पुनः प्रयोज्य उत्पादों का चयन करके, जब भी संभव हो सामग्री को पुनर्चक्रित करके और जैविक कचरे से खाद बनाकर कचरे को कम करें।

पर्यावरण नीतियों के लिए वकालत:

स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पर्यावरण नीतियों और पहलों का समर्थन करने के लिए वकालत के प्रयासों में शामिल हों। निर्वाचित अधिकारियों को लिखें, रैलियों में भाग लें और पर्यावरण की रक्षा के लिए काम करने वाले संगठनों का समर्थन करें।

शिक्षित करें और जागरूकता बढ़ाएं:

पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में दूसरों के साथ जानकारी साझा करें और संरक्षण और स्थिरता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाएं। कार्रवाई को प्रेरित करने और संवाद को बढ़ावा देने के लिए अपने समुदाय में शैक्षिक कार्यक्रम, फिल्म स्क्रीनिंग या कार्यशालाएं आयोजित करें।

सतत प्रथाओं को अपनाएं:

अपनी जीवनशैली में पर्यावरण के प्रति जागरूक विकल्प चुनें, जैसे ऊर्जा की खपत को कम करना, पानी का संरक्षण करना और पर्यावरण के अनुकूल व्यवसायों और उत्पादों का समर्थन करना।

पर्यावरण संगठनों के साथ स्वयंसेवक:

संरक्षण प्रयासों के लिए समर्पित स्थानीय पर्यावरण संगठनों या स्वयंसेवी समूहों में शामिल हों। चाहे आवास बहाली परियोजनाओं, वन्यजीव निगरानी, या पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से, स्वयंसेवा सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए व्यावहारिक अवसर प्रदान करती है।

जैसा कि हम पृथ्वी दिवस मनाते हैं, आइए हम अपने ग्रह के बहुमूल्य संसाधनों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। एकजुटता के साथ एक साथ आकर और सार्थक कार्रवाई करके, हम एक स्थायी भविष्य का निर्माण कर सकते हैं जहां मानवता और प्रकृति दोनों सद्भाव से पनपें। पृथ्वी दिवस को सकारात्मक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने दें, जो हम सभी को आज और हर दिन पृथ्वी का प्रबंधक बनने के लिए प्रेरित करे।

indiangreenbuddy@gmail.com

सड़क सुरक्षा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी सुनिश्चित करना: पेड़ों की उचित छंटाई की प्रथाएँ

परिवहन विशेष

इस पृथ्वी दिवस पर, एक महत्वपूर्ण मुद्दे का समाधान करना जरूरी है जो सड़क सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता दोनों के लिए खतरा है: "पेड़ों की अनुचित छंटाई प्रथाएं"। जबकि पेड़ों की छंटाई सुरक्षा और पेड़ के स्वास्थ्य सहित विभिन्न कारणों से आवश्यक है, कटी हुई शाखाओं और पत्तियों की लापरवाही से सड़क उपयोगकर्ताओं और पर्यावरण दोनों के लिए महत्वपूर्ण खतरा पैदा होता है।

समस्या: उचित उपकरणों के बिना पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और उसके बाद सड़कों के किनारे शाखाओं और पत्तियों का निपटान कई समुदायों में आम घटना है। यह प्रथा न केवल यातायात के प्रवाह को बाधित करती है और सड़क सुरक्षा से समझौता करती है बल्कि पर्यावरण के क्षरण में भी योगदान देती है। गिरी हुई शाखाएँ ड्राइवरों की दृश्यता को बाधित कर सकती हैं, सड़क पर खतरे पैदा कर सकती हैं और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ा सकती हैं, जबकि सड़ती हुई पत्तियाँ और मलबा जल निकासी प्रणालियों को अवरुद्ध कर सकते हैं

सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए सुझाव: उचित उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करें: सटीकता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा उचित उपकरणों और तकनीकों का उपयोग करके पेड़ों की छंटाई की जानी चाहिए। इसमें साफ-सुथरी कटाई करने और पेड़ों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए तेज और सुव्यवस्थित उपकरणों का उपयोग शामिल है।

जिम्मेदार निपटान: कटी हुई शाखाओं और पत्तियों को एकत्र किया जाना चाहिए और सड़कों के किनारे और जल निकासी प्रणालियों से दूर, जिम्मेदारी से निपटान किया जाना चाहिए। कंपोस्टिंग या मल्चिंग पर्यावरण-अनुकूल निपटान विकल्प हो सकते हैं जो अपशिष्ट को कम करने और मिट्टी को समृद्ध करके पर्यावरण को भी लाभ पहुंचाते हैं।

सार्वजनिक जागरूकता और शिक्षा: सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम और शैक्षिक अभियान पेड़ों की उचित छंटाई प्रथाओं के महत्व और सड़क सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता पर उनके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ा सकते हैं। नागरिकों को त्वरित कार्रवाई के लिए पेड़ों की अनुचित कटाई के मामलों की रिपोर्ट स्थानीय अधिकारियों को देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

कार्यान्वयन: स्थानीय सरकारों और संबंधित अधिकारियों को पेड़ काटने की प्रथाओं के संबंध में नियमों और दिशानिर्देशों को लागू करना चाहिए, जिसमें गैर-अनुपालन के लिए दंड भी शामिल है। नगर पालिकाओं, पर्यावरण संगठनों और सामुदायिक समूहों के बीच सहयोग सर्वोत्तम प्रथाओं के कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान कर सकता है और सड़क सुरक्षा बढ़ाने और पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में निरंतर प्रयास सुनिश्चित कर सकता है।

सड़क सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता दोनों को प्राथमिकता देने वाली प्रथाओं को अपनाना और बढ़ावा देना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। पेड़ों की उचित छंटाई तकनीकों और निपटान विधियों का पालन करके, हम खतरों को कम कर सकते हैं, अपने प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा कर सकते हैं, और वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ समुदाय बना सकते हैं।

डॉ अंकुर शरण
(सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन)

23 अप्रैल को चित्रा नक्षत्र और वज्र योग में मनाया जाएगा हनुमान जन्मोत्सव

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग की गणना के अनुसार, इस साल चैत्र शुक्ल पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ मंगलवार 23 अप्रैल को तड़के 3:25 मिनट पर होगा, जिसकी समाप्ति बुधवार 24 अप्रैल को प्रातः: 05:18 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार हनुमान जयंती मंगलवार 23 अप्रैल को ही मनाई जाएगी।

डा. अनीष व्यास

हर साल चैत्र माह की पूर्णिमा के दिन हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाता है। पौराणिक और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन संकटमोचन हनुमान जी का अवतरण हुआ था, इसलिए देशभर में इस दिन उनके जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन हनुमान जी की पूरे विधि-विधान से पूजा की जाती है। इस साल हनुमान जन्मोत्सव मंगलवार 23 अप्रैल 2024 को मनाया जाएगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसी वजह से हर मंगलवार हनुमान जी की विशेष पूजा की जाती है। इसके अलावा शनिवार भी हनुमान जी को प्रिय है। हनुमान जन्मोत्सव चैत्र मास की पूर्णिमा पर मनाई जाती है। त्रेता युग में इस तिथि पर सुबह-सुबह हनुमान जी का जन्म हुआ था। उस दिन मंगलवार था। इनके पिता केसरी और माता अंजनी थीं। हनुमान जी महादेव का रूद्र अवतार हैं। हनुमान जी महाराज को अलौकिक और दिव्य शक्तियां प्राप्त हैं। उन्हें बल, बुद्धि, विद्या का दाता कहा जाता है। हनुमान जी महाराज के पास अष्ट सिद्धि और नवनिधि हैं। शिव पुराण के अनुसार हनुमान जी ही शिवजी के 11वें अवतार हैं। हनुमान जी को पवन पुत्र के नाम से भी जाना जाता है और उनके पिता वायु देव भी माने जाते हैं।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग की गणना के अनुसार, इस साल चैत्र शुक्ल पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ मंगलवार 23 अप्रैल को तड़के 3:25 मिनट पर होगा, जिसकी समाप्ति बुधवार 24 अप्रैल को प्रातः: 05:18 मिनट पर होगा। उदयातिथि के अनुसार हनुमान जयंती मंगलवार 23 अप्रैल को ही मनाई जाएगी।

शुभ मुहूर्त

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि हनुमान जी का जन्म चैत्र माह की पूर्णिमा पर चित्र नक्षत्र व मेष लग्न के योग में हुआ था। हिन्दू नववर्ष में हनुमान जन्मोत्सव 23 अप्रैल 2024 को मनाया जाएगा। वज्र योग 23 अप्रैल की सुबह से लेकर 24 अप्रैल को प्रातः 04:57 मिनट तक है। चित्रा नक्षत्र भी 23 अप्रैल को सुबह से लेकर रात 10:32 मिनट तक है। उसके बाद स्वाति नक्षत्र शुरू हो जाएगा। चित्रा नक्षत्र के स्वामी मंगल हैं और हनुमानजी का प्रिय दिन भी मंगलवार है। वहीं, वज्र योग साहस, बल और पराक्रम का परिचायक है। ऐसे में मंलगवार के दिन, चित्रा नक्षत्र और वज्र योग में हनुमानजी का जन्मोत्सव मनाना बड़ा ही शुभ होगा। भक्तों को कई गुना फल मिलेगा। हनुमानजी जन्मोत्सव पर पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 9.03 बजे से 10.41 बजे तक रहेगा। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4.20 बजे से 05.04 बजे तक रहेगा। इस दिन अभिजीत मुहूर्त सुबह 11.53 बजे से दोपहर 12.46 बजे तक रहेगा।

भगवान शिव के अवतार है हनुमान

कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि भगवान हनुमान को महादेव का 11वां अवतार भी माना जाता है। हनुमान जी की पूजा करने और व्रत रखने से हनुमान जी का आर्शीवाद प्राप्त होता है और जीवन में किसी प्रकार का संकट नहीं आता है, इसलिए हनुमान जी को संकट मोचक भी कहा गया है। विख्यात कुण्डली विश्लेषक अनीष व्यास ने बताया कि जिन लोगों की कुंडली में शनि अशुभ स्थिति में हैं या फिर शनि की साढ़ेसाती चल रही है, उन लोगों को हनुमान जी की पूजा विधि करना चाहिए। ऐसा करने से शनि ग्रह से जुड़ी दिक्कतें दूर हो जाती है। हनुमान जी को मंगलकारी कहा गया है, इसलिए इनकी पूजा जीवन में मंगल लेकर आती हैं।

अष्ट चिरंजीवियों में से एक हैं हनुमानजी

भविष्यवक्ता डा. अनीष व्यास ने बताया कि धर्म ग्रंथों में 8 ऐसे पौराणिक पात्रों के बारे में बताया गया है, जिन्हें अमर माना जाता है। हनुमानजी भी इनमें से एक है। इस संबंध में एक श्लोक भी मिलता है। उसके अनुसार'

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनूमांश्च विभीषणः।
कृपः परशुरामश्च सप्तएतै चिरजीविनः॥
सप्तैतान-संस्मरेन्नित्यं मार्कण्डेयमथाष्टमम्।
जीवेद्वर्षशतं सोपि सर्वव्याधिविवर्जित।।

अर्थ- अश्वथामा, दैत्यराज बलि, महर्षि वेद व्यास, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य, परशुराम और मार्कण्डेय ऋषि, ये 8 अमर हैं। रोज सुबह इनका स्मरण करने से निरोगी शरीर और लंबी आयु मिलती है।

पूजा विधि

भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक डा. अनीष व्यास ने बताया कि हनुमान जी का जन्म सूर्योदय के समय हुआ था, इसलिए हनुमान जन्मोत्सव के दिन ब्रह्म मुहूर्त में पूजा करना अच्छा माना गया है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन जातक को ब्रह्म मुहूर्त में उठना चाहिए। इसके बाद घर की साफ-सफाई करने के बाद गंगाजल का छिड़काव कर घर को पवित्र कर लें। स्नान आदि के बाद हनुमान मंदिर या घर पर पूजा करनी चाहिए। पूजा के दौरान हनुमान जी को सिंदूर और चोला अर्पित करना चाहिए। मान्यता है कि चमेली का तेल अर्पित करने से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं। पूजा के दौरान सभी देवी-देवताओं को जल और पंचामृत अर्पित करें। अब अबीर, गुलाल, अक्षत, फूल, धूप-दीप और भोग आदि लगाकर पूजा करें। सरसों के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान जी को विशेष पान का बीड़ा चढ़ाएं। इसमें गुलकंद, बादाम कतरी डालें। ऐसा करने से भगवान की विशेष कृपा आपको मिलती है। हनुमान चालीसा, सुंदरकांड और हनुमान आरती का पाठ करें। आरती के बाद प्रसाद वितरित करें।

हनुमान जी के ये 12 नाम लेने से सभी बिगड़ें काम बन जाते हैं।

ॐ हनुमान ॐ अंजनी सुत ॐ वायु पुत्र ॐ महाबल ॐ रामेष्ठ
ॐ फाल्गुण सखा ॐ पिंगाक्ष ॐ अमित विक्रम ॐ उदधिक्रमण
ॐ सीता शोक विनाशन ॐ लक्ष्मण प्राण दाता ॐ दशग्रीव दर्पहा

भविष्यवक्ता और कुंडली विश्लेषक डा. अनीष व्यास से जानते है हनुमान जी को प्रसन्न करने के राशि अनुसार मंत्र।

मेष राशि
ॐ सर्वदुखहराय नमः
वृषभ राशि
ॐ कपिसेनानायक नमः
मिथुन राशि
ॐ मनोजवाय नमः
कर्क राशि
ॐ लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः
सिंह राशि
ॐ परशौर्य विनाशन नमः
कन्या राशि
ॐ पंचवक्त्र नमः
तुला राशि
ॐ सर्वग्रह विनाशिने नमः
वृश्चिक राशि
ॐ सर्वबन्धविमोक्त्रे नमः
धनु राशि
ॐ चिरंजीविते नमः
मकर राशि
ॐ सुराचिंते नमः
कुंभ राशि
ॐ वज्रकाय नमः
मीन राशि
ॐ कामरूपिणे नमः

- डा. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक

ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ा सकती ये बुरी 5 आदतें, कैसे पाएं छुटकारा

दिव्यांशी भदौरिया

खराब लाइफस्टाइल के चलते आजकल ब्रेन स्ट्रोक के मामले बढ़ रहे हैं। आखिर यह क्यों होता है, यहां जाने ब्रेन स्ट्रोक का कारण क्या है? ब्रेन स्ट्रोक आने पर कुछ लोग तुरंत जान गवां देते हैं तो कुछ लोग इलाज के बाद ठीक हो जाते हैं। जानें लाइफस्टाइल की कौन सी आदतें ब्रेन स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाती हैं?

हर साल दुनियाभर में ब्रेन स्ट्रोक के कारण कई लोग अपनी जान गवां देते हैं। दरअसल, ब्रेन स्ट्रोक एक गंभीर स्थिति है जो मस्तिष्क में रक्तप्रवाह रुकने यानी खून का बहना रुकने या नसें फटने के कारण होता है। ब्रेन स्ट्रोक आने पर कुछ लोग तुरंत जान गवां देते हैं तो कुछ लोग इलाज के बाद ठीक हो जाते हैं। हालांकि रिकवरी में समय लगता है। ब्रेन स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्या से बचने के लिए खराब लाइफस्टाइल में कुछ बजलाव कर सकते हैं। इस लेख में हम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अछल्दा के सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर गौरव कुमार से जानेंगे ब्रेन स्ट्रोक होने के क्या कारण होता है।

तंबाकू

तंबाकू का सेवन ब्रेन स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा सकता है। तंबाकू में पाएं जाने वाला केमिकल तत्व आपकी धमनियों को कमजोर कर सकते हैं, जिससे ब्लड फ्लो बिगड़ सकता है। जो लोग स्मोकिंग करते हैं उनमें ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, स्मोकिंग के कारण खून के थक्के जम सकते हैं, ऐसे में ब्रेन स्ट्रोक की समस्या से बचने के लिए आप बीड़ी, सिगरेट का इस्तेमाल बंद करें।

तनाव

स्ट्रैस के कारण कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कई बार तो लोगों को समझ भी नहीं आता है और वह तनाव के कारण डिप्रेशन के शिकार भी हो सकते हैं। तनाव की वजह से ब्रेन स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। दरअसल, स्ट्रैस के कारण नींद कम आती है, जिस वजह से हार्ट हेल्थ खराब हो सकती है। ये सभी समस्याएं ब्रेन स्ट्रोक का कारण बन सकती हैं।

शराब

शराब के सेवन से ब्रेन स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा सकता है। शराब के अधिक सेवन से खासकर हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित व्यक्तियों में ब्रेन स्ट्रोक खतरा ज्यादा रहता है। ऐसे में शराब का सेवन करना बंद कर दें।

खराब लाइफस्टाइल और डाइट

बिगड़ी लाइफस्टाइल और फास्ट फूड का सेवन करना मास्तिष्क स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। जंक और फास्ट फूड में सोडियम की मात्रा ज्यादा होती है जो मोटापा और ब्लड प्रेशर का बढ़ाता है, जिससे ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बना रहता है। ब्रेन स्ट्रोक की समस्या से बचने के लिए अपनी डाइट का खास ख्याल रखें। इसके साथ ही पोषक तत्वों से भरपूर अनाजों को शामिल करें।

एक्सरसाइज न करना

आजकल लोग अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को मैनेज करने में इतने बिजी हो चुके कि उन्हें खुद का ख्याल रखने का समय भी कम मिलता है। नो फिजिकल एक्टिविटी के कारण स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। ब्रेन स्ट्रोक की समस्या से बचने के लिए आप रोजना एक्सरसाइज करें और अपने ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखें।

उम्र में बड़े और अनुभवी, ऐसी पर्सनालिटी वाले पुरुष आते हैं महिलाओं को पसंद, स्टडी में हुआ खुलासा

सच कहूं तो महिलाओं को पुरुष नहीं बल्कि उनकी पर्सनालिटी पसंद आती है। लड़कों की पर्सनालिटी ऐसी चीज है, जो महिलाओं को अपनी ओर आकर्षित करती है। लड़कों की पर्सनालिटी के अलावा भी कुछ ऐसी चीजें हैं, जो महिलाओं को आकर्षित करती है। चलिए आपको इनके बारे में बताते हैं।

एकता

महिलाओं की पसंद को समझना आसान तो नहीं है, लेकिन इतना मुश्किल भी नहीं है जितना आमतौर पर समझा जाता है। महिलाएं सीधी-साधी चीजों पर मरती है। लेकिन बात जब लड़का पसंद करने की होती है तो महिलाओं को सीधे-साधे पुरुष पसंद नहीं आते है। वैसे सच कहूं तो महिलाओं को पुरुष नहीं बल्कि उनकी पर्सनालिटी पसंद आती है। लड़कों की पर्सनालिटी ऐसी चीज है, जो महिलाओं को अपनी ओर आकर्षित करती है। लड़कों की पर्सनालिटी के अलावा भी कुछ ऐसी चीजें हैं, जो महिलाओं को आकर्षित करती है। चलिए आपको इनके बारे में बताते हैं-

रूटर यूनिवर्सिटी की मानवविज्ञानी हेलेन ई फिशर के अनुसार, महिलाओं को उन्हें समझने वाले पुरुष पसंद आते हैं। जबरदस्ती करने वाले पुरुषों से महिलाएं अक्सर दूर भागा करती हैं। समझदार और ध्यान रखने वाले पुरुषों की महिलाएं आकर्षित होती है। इसलिए अपनी पार्टनर का ध्यान रखने और उनकी बातों को सुनने और समझने पर ध्यान दें। किसी से पूछा जाए कि महिलाओं को कैसे लड़के पसंद आते हैं? इसका जवाब शायद अमीर, अच्छे पैसे कमाने वाला, महंगे कपड़े पहनने वाले और आलीशान गाड़ियों में चलने वाले लड़के होंगे। वैसे ये बात सच है, लेकिन पूरी तरह नहीं। ज्यादातर महिलाओं को अमीर लड़के पसंद होते है, जो उनके खर्चे उठा सके। लेकिन आज भी बहुत सी महिलाएं अच्छे सलीके वाले लड़कों की ओर आकर्षित होती हैं।

फिर चाहें लड़का महंगे कपड़ें पहने या साधारण या फिर आलीशान गाड़ियों में चले या किसी साइकिल पर, अगर लड़के का रहने का सलीका अच्छा नहीं है तो महिलाएं उसकी ओर आकर्षित नहीं होगी।

2010 के एक शोध के मुताबिक, महिलाओं को अपनी उम्र से बड़े पुरुष पसंद आते हैं। मनोवैज्ञानिक फियोना मूर का कहना है कि जो महिलाएं आर्थिक रूप से ज्यादा स्वतंत्र हो जाती हैं, उन्हें शक्तिशाली और बड़ी उम्र के पुरुष आकर्षित करते हैं। दरअसल, बड़ी उम्र के पुरुषों में अनुभव ज्यादा है, जिससे महिलाएं आकर्षित होती है। महिलाओं के अनुसार, बड़ी उम्र के लोग समझदार और कांफिडेंट होते हैं। इसके अलावा न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय के 2013 के एक अध्ययन के अनुसार, महिलाओं को हल्की दाढ़ी वाले पुरुष सबसे ज्यादा आकर्षित करते हैं। हल्की दाढ़ी के अलावा साफसुथरे और आर्गनाइज वाले पुरुष भी महिलाओं को पसंद आते हैं।

ऑनलाइन दोस्त बन न जाए आपकी जान का दुश्मन, इन टिप्स की मदद से रखें खुद को सुरक्षित

ऑनलाइन बने दोस्तों से ऑफलाइन मुलाकात के दौरान लोगों को सबसे ज्यादा सतर्कता बरतनी चाहिए। हम कुछ सेफ्टी टिप्स बताने जा रहे हैं, जो ऑनलाइन डेट से मुलाकात के दौरान आपको सुरक्षित रखने का काम करेंगे।

डेटिंग ऐप्स की दुनिया अनजान लोगों से भरी हुई है। यहाँ अच्छे और बुरे से लेकर फायदा उठाने वाले सभी तरह के लोग मौजूद होते हैं। हर दूसरे दिन डेटिंग ऐप्स के जरिए होने वाले स्कैम्स की कोई न कोई खबर मीडिया में छायी रहती है। स्कैम्स के अलावा भी डेटिंग ऐप्स के जरिये कई अपराधों को अंजाम दिया जा रहा है। इसलिए इन डेटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करते समय लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

ऑनलाइन डेटिंग के शुरुआती समय में लोग सतर्कता बरतते हैं, लेकिन जब बात ऑफलाइन मुलाकात की होती है तो लोगों द्वारा अपनी सुरक्षा में ढील छोड़ दी जाती हैं। ऑनलाइन बने दोस्तों से ऑफलाइन मुलाकात के दौरान लोगों को सबसे ज्यादा सतर्कता बरतनी चाहिए। हम कुछ सेफ्टी टिप्स बताने जा रहे हैं, जो ऑनलाइन डेट से मुलाकात के दौरान आपको सुरक्षित रखने का काम करेंगे। बहुत जल्दी ऑफलाइन मुलाकात सेट न करें- डेटिंग ऐप्स पर मैच होते ही अगर कोई तुरंत मिलने के लिए कह रहा है तो ये एक बड़ा रेड फ्लैग है। ऐसे लोगों से बचकर रहने में भलाई है। मैच होने के तुरंत बाद मिलना सुरक्षा के लिहाज से ठीक नहीं है। इसलिए ऑफलाइन डेट सेट करने से पहले सामने वाले व्यक्ति से कुछ हफ्ते बातचीत जरूर करें। डेट सेट करने से पहले जरूर करें वीडियो कॉल- ऑफलाइन डेट सेट करने से पहले अपने मैच को वीडियो कॉल जरूर करें। इससे आपको ये पता चल जाएगा कि जिस व्यक्ति से आप मिलने जा रही हैं वो हकीकत में वही है जो वह बताता है या नहीं। डेट पर जाने से पहले इस सेफ्टी टिप को जरूर आजमा लेना चाहिए क्योंकि लोगों प्रोफाइल पिक्चर में कुछ और हकीकत में कुछ और होते हैं।

हमेशा भीड़ वाली जगह पर मुलाकात करें- अगर आप अपने ऑनलाइन डेट से पहली बार मिलने जा रही हैं तो मुलाकात के लिए भीड़-भाड़ वाली जगह चुनें। ऐसी जगहों पर आप खुद को सुरक्षित महसूस करेंगी और अगर सामने वाले के दिमाग में कुछ गलत इरादे हैं तो उससे भी आपका बचाव होगा।

'देश आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव को तैयार', तीन नए कानूनों को लेकर बोले डीवाई चंद्रचूड़

परिवहन विशेष न्यूज

> नए लागू कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच के लिए यह बदलाव करना बहुत जरूरी था। सीजेआई ने आगे कहा कि संसद द्वारा नए कानूनों पर मुहर लगाना इस बात का संकेत है कि देश बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है तथा मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए उसे नए कानूनी उपायों की आवश्यकता है।

नई दिल्ली। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच के लिए यह बदलाव करना बहुत जरूरी था। संसद द्वारा नए कानूनों पर मुहर लगाना इस बात का संकेत है कि देश बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने नए आपराधिक न्याय कानूनों को समाज के लिए एक ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने शनिवार को कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। वहीं, उन्होंने नागरिकों से आम चुनाव में मतदान करने का अवसर न चूकने का आग्रह किया। सीजेआई चंद्रचूड़ अपराध के न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत के प्रगतिशील मार्ग पर आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि नए कानून तब सफल होंगे, जब हम इसे स्वीकार करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि नए लागू कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच के लिए यह बदलाव करना बहुत जरूरी था। सीजेआई ने आगे कहा कि संसद द्वारा नए कानूनों पर मुहर लगाना इस बात का संकेत है कि देश बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है तथा मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए उसे नए कानूनी उपायों की आवश्यकता है। सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी मौजूद थे। गौरतलब है, देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए नए अधिनियम- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय सक्षम अधिनियम एक जुलाई से लागू होंगे। हालांकि, वाहन चालकों द्वारा हिट एंड रन के मामलों से संबंधित प्रावधान को तुरंत लागू नहीं किया जाएगा। बता दें, तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिल गई थी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को अपनी सहमति दी थी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने नागरिकों से आम चुनाव में मतदान करने का अवसर न चूकने का आग्रह करते हुए कहा है कि संवैधानिक लोकतंत्र में यह सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के 'माई वोट माई वॉयस' मिशन के लिए एक वीडियो संदेश में कहा कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिक हैं, जो कि हमारा देश है। उन्होंने कहा कि संविधान नागरिक के रूप में हमें कई अधिकार देता है, लेकिन साथ ही यह भी अपेक्षा करता है कि हर कोई उसे सौंपा गया अपना कर्तव्य निभाए। संवैधानिक लोकतंत्र में नागरिकता के सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्यों में से एक कर्तव्य वोट डालना है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने कहा, 'मैं आप सभी से अनुरोध करूंगा कि कृपया हमारी महान मातृभूमि के नागरिक के रूप में जिम्मेदारी से मतदान करने का यह अवसर न चूकें। हर पांच साल में पांच मिनट, हमारे देश के लिए। यह किया जा सकता है, है ना? आइए, गर्व के साथ मतदान करें। मेरा वोट, मेरी आवाज।' न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि सरकार चुनने में नागरिकों की सहभागी भूमिका होती है और इसलिए कहा जाता है कि यह सरकार लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए सरकार है। सीजेआई ने बताया कि जब वह पहली बार मतदाता बने थे और मताधिकार का उपयोग करने के लिए मतदान केंद्र में कतार में खड़े हुए थे, तब वह कितने उत्साहित थे। उन्होंने कहा, 'जब मैं वोट देता हूं तो अंगुली पर लगने वाली स्याही देशभक्ति और राष्ट्र के साथ जुड़ाव की जबरदस्त भावना पैदा करती है।' न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, 'इसलिए हमारा संविधान और हमारा कानून एक नागरिक, एक वोट और एक मूल्य का प्रावधान करता है। मुझे लगता है कि संवैधानिक लोकतंत्र के रूप में यह हमारे देश की महान दृढ़ता और शक्ति है।' प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि जब वह वकील थे और उन्हें काम के लिए इधर-उधर भागना पड़ता था, तब भी वह वोट डालने का अपना कर्तव्य निभाने से नहीं चूके। लोकसभा के 543 सदस्यों के चुनाव के लिए 19 अप्रैल से एक जून तक सात चरणों में मतदान होगा। नतीजे चार जून को घोषित किए जाएंगे।

पांडव नगर में दो बच्चों की हत्या से सनसनी, अब फरार पिता की भी आनंद विहार से मिली लाश

पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर के एक घर से दो बच्चों के शव बरामद हुए हैं। वहीं बच्चों की मां बेहोशी की हालत मिली थी। बच्चों का पिता घर से लापता था। वहीं अब इनकी लाश भी आनंद विहार रेलवे ट्रैक पर मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। फिलहाल घटना को लेकर पुलिस के हाथ कुछ हासिल नहीं हुआ है।

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के पांडव नगर के एक घर से दो बच्चों के शव बरामद हुए हैं। वहीं बच्चों की मां बेहोशी की हालत मिली थी। बच्चों का पिता घर से लापता था। वहीं अब इनकी लाश भी आनंद विहार रेलवे ट्रैक पर मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस ने बताया कि शनिवार को दोपहर दो बजे एक कॉल आई, जिसमें कहा गया कि पांडव नगर के शशि गार्डन में एक घर का दरवाजा बंद है और उस घर के सदस्य गायब हैं। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो दंग रह गई। अंदर बिस्तर पर दो बच्चों के शव पड़े मिले। वहीं उसकी मां दूसरे कमरे में बेहोश पड़ी थी। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। वहीं श्यामजी (42) घर से गायब मिले थे।

फोन कॉल में बताया कि शख्स कल से था लापता

वहीं अब पुलिस ने बताया कि श्यामजी की लाश भी मिल गई है। उनकी लाश आनंद विहार रेलवे लाइन पर मिली है। पूर्वी दिल्ली के डीसीपी अपूर्व गुप्ता ने कहा कि दोपहर दो बजे एक कॉल आई। फोन करने वाले ने हमें बताया कि उसका भाई कल से लापता है और उसके घर पर ताला लगा हुआ है। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो अंदर का नजारा देखकर दंग रह गई।

दिल्ली के स्कूलों के लिए बड़ी खबर, बढ़ती गर्मी को लेकर सरकार ने लिया यह बड़ा फैसला

दिल्ली सरकार का शिक्षा निदेशालय ने कहा कि इन दिनों गर्मी अधिक है। ऐसे में कक्षाओं के दौरान छात्रों को बीच-बीच में पानी पीने का भी ब्रेक दिया जाना चाहिए। वहीं स्कूल में आते व निकलते समय विद्यार्थियों को सीधे धूप के संपर्क में आने के दौरान अपना सिर छाता टोपी तौलिया या अन्य किसी चीज से ढककर रखने को लेकर जागरुक करें।

नई दिल्ली। राजधानी में बढ़ते तापमान से स्कूली विद्यार्थियों को लेकर दिल्ली सरकार का शिक्षा निदेशालय ने विद्यार्थियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निदेशालय ने कहा कि गर्मी के मौसम में दिल्ली में दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो जाता है। जो कि स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। एनसीआर में तापमान में वृद्धि के कारण लोगों में थकावट, डिहाइड्रेशन, दस्त और उल्टी समेत अन्य गर्मी से संबंधित बीमारियों की घटनाएं बढ़ गई हैं।

दोपहर में प्रार्थना सभा करने से बचें

निदेशालय ने कहा कि गर्मी में विद्यार्थियों को गर्मी से संबंधित इन बीमारियों से बचाव के लिए कुछ कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। निदेशालय ने सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को निर्देश दिया कि वो बच्चों के गर्मी से बचाव को लेकर उचित उपाय अपनाने के लिए उन्हें जागरुक करें।

निदेशालय ने दोपहर की पाली में संचालित सभी स्कूलों को निर्देश दिया कि स्कूलों में छात्रों की प्रार्थना सभा से बचें। साथ ही स्कूलों में छात्रों के लिए पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

बीच-बीच में पानी के लिए मिले ब्रेक

उन्होंने कहा कि गर्मी अधिक है ऐसे में कक्षाओं के दौरान छात्रों को बीच-बीच में पानी पीने का भी ब्रेक दिया जाना चाहिए। वहीं, स्कूल में आते व निकलते समय विद्यार्थियों को सीधे धूप के संपर्क में आने के दौरान अपना सिर छाता, टोपी, तौलिया या अन्य किसी चीज से ढककर रखने को लेकर जागरुक करें। निदेशालय ने कहा कि गर्मी से संबंधित बीमारी के किसी भी मामले की सूचना नजदीकी अस्पताल को दें। निदेशालय ने सभी जिला व जोनल उप शिक्षा निदेशकों को इसका पालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

तिहाड़ जेल की रिपोर्ट में झलक रही BJP की साजिश', एलजी सक्सेना को भेजी गई जानकारी पर आतिशी का पलटवार

> तिहाड़ जेल प्रशासन ने दिल्ली के उपराज्यपाल एलजी सक्सेना को तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में आम आदमी पार्टी के दावे को झूठ बताया गया है। वहीं इस रिपोर्ट पर आप ने सवाल उठाया और इसे बीजेपी की साजिश बताया है। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि तिहाड़ जेल प्रशासन की रिपोर्ट से भाजपा की साजिश दिख गई है। कोई भी डॉक्टर बता देगा कि 300 शुगर लेवल खतरनाक होता है। भाजपा के कहने पर केजरीवाल को जेल में मारने की साजिश की जा रही है। सीएम केजरीवाल को इंसुलिन देने में जेल प्रशासन को क्यों दिक्कत है? जबकि सच्चाई यह है कि सीएम केजरीवाल बीते 12 वर्षों से इंसुलिन ले रहे हैं। जेल जाने से पहले 50 यूनिट इंसुलिन रोज लेते थे।

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद सीएम अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में तिहाड़ जेल प्रशासन ने उपराज्यपाल एलजी सक्सेना को तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में आम आदमी पार्टी के दावे को झूठ बताया गया है। वहीं इस रिपोर्ट पर आप ने सवाल उठाया और इसे बीजेपी की साजिश बताया है।

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि तिहाड़ जेल प्रशासन की रिपोर्ट से भाजपा की साजिश दिख गई है। कोई भी डॉक्टर बता देगा कि 300 शुगर लेवल खतरनाक होता है। भाजपा के कहने पर केजरीवाल को जेल में मारने की साजिश की जा रही है। सीएम केजरीवाल को इंसुलिन देने में जेल प्रशासन को क्यों दिक्कत है? जबकि सच्चाई यह है कि सीएम केजरीवाल बीते 12 वर्षों से इंसुलिन ले रहे हैं। जेल जाने से पहले 50 यूनिट इंसुलिन रोज लेते थे।

आरएमएल अस्पताल ने इंसुलिन की सलाह नहीं दी

बता दें, तिहाड़ जेल प्रशासन ने रिपोर्ट में बताया है कि आरएमएल अस्पताल से उपलब्ध एमएलसी रिपोर्ट के अनुसार, केजरीवाल को न तो किसी इंसुलिन की सलाह दी गई थी और न ही किसी इंसुलिन की आवश्यकता बताई गई थी। 10 अप्रैल और 15 अप्रैल को डॉक्टरों द्वारा केजरीवाल की समीक्षा की गई और मधुमेह की दवाओं की सलाह दी गई। यह कहना गलत है कि केजरीवाल को उनके इलाज के दौरान किसी भी समय इंसुलिन से वंचित किया गया था।

'केजरीवाल को खाने में पराठा, समोसा, पकौड़ा, भुजिया...', तिहाड़ जेल प्रशासन ने डाइट को लेकर उपराज्यपाल को सौंपी रिपोर्ट

> तिहाड़ जेल प्रशासन ने उपराज्यपाल एलजी सक्सेना को तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में आम आदमी पार्टी के दावे को झूठ बताया गया है कि केजरीवाल मधुमेह पर कंट्रोल करने के लिए इंसुलिन पर थे। केजरीवाल को तला हुआ भोजन जैसे पूरी पराठा समोसा पकौड़ा नमकीन भुजिया अचार पापड़ आम केला चीकू लीची अंगूर आलू अरबी आदि का सेवन करने की मनाही है।

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद सीएम अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में तिहाड़ जेल प्रशासन ने उपराज्यपाल एलजी सक्सेना को तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में आम आदमी पार्टी के दावे को झूठ बताया गया है कि केजरीवाल मधुमेह पर कंट्रोल करने के लिए इंसुलिन पर थे।

जेल प्रशासन ने बताया कि केजरीवाल के शुगर लेवल के बारे में आम आदमी पार्टी द्वारा बनाई जा रही पूरी कहानी केवल तेलंगाना स्थित एक निजी क्लिनिक द्वारा किए जा रहे केजरीवाल के कथित उपचार पर आधारित है। दिलचस्प बात यह है कि तेलंगाना डॉक्टर की सलाह के अनुसार, केजरीवाल इंसुलिन को रोकने का इलाज करवा रहे थे और डॉक्टर ने केजरीवाल की गिरफ्तारी से बहुत पहले इंसुलिन की खुराक बंद कर दी थी।

केजरीवाल को इंसुलिन देने की सलाह नहीं

इसके अलावा, आरएमएल अस्पताल से उपलब्ध एमएलसी रिपोर्ट के अनुसार, केजरीवाल को न तो किसी इंसुलिन की सलाह दी गई थी और न ही किसी इंसुलिन की आवश्यकता बताई गई थी। 10 अप्रैल और 15 अप्रैल को डॉक्टरों द्वारा केजरीवाल की समीक्षा की गई और मधुमेह की दवाओं की सलाह दी गई। यह कहना गलत है कि केजरीवाल को उनके इलाज के दौरान किसी भी समय इंसुलिन से वंचित किया गया था।

तिहाड़ ने एम्स से मांगी थी केजरीवाल की डाइट चार्ट

तिहाड़ जेल प्रशासन ने एम्स को लिखा था कि केजरीवाल मिठाई, लड्डू, केले, आम, फलों की चाट, तला हुआ भोजन, नमकीन, भुजिया, मीठी चाय, पूरी-आलू, अचार और अन्य उच्च कोलेस्ट्रॉल वाले खाद्य पदार्थों जैसे उच्च चीनी वाले खाद्य पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। इसलिए उनकी बीमारी को देखते हुए एक डाइट चार्ट बताएं।

केजरीवाल के लिए एम्स द्वारा प्रदान की गई डाइट प्लान में इन चीजों की मनाही की गई थीः

1. तला हुआ भोजन जैसे पूरी, पराठा, समोसा, पकौड़ा, नमकीन, भुजिया, अचार, पापड़ आदि।
2. मिठाई, केक, जैम, चॉकलेट, चीनी, गुड़, शहद, आइसक्रीम।
3. आम, केला, चीकू, लीची, अंगूर आदि फल।
4. सब्जियां जैसे आलू, अरबी आदि।
5. घी, अंडे की जर्दी, मक्खन, फुल क्रीम दूध, आदि।
6. मेज पर नमक।

दिन में केवल 20 एमएल तेल का सेवन

केजरीवाल को अपने भोजन में प्रति दिन केवल 20 मिलीलीटर तेल का सेवन करने की अनुमति है। तिहाड़ जेल प्रशासन ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि तिहाड़ जेल की डिस्पेंसरी में इंसुलिन की पर्याप्त उपलब्धता है और इलाज के दौरान जरूरत पड़ने पर केजरीवाल को इंसुलिन दिया जा सकता है।

दिल्ली के कल्याणपुरी में तीन मंजिला इमारत जमींदोज, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

परिवहन विशेष न्यूज

> दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया जब वहां एक तीन मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जब इमारत जमींदोज हुई तो लोग जान बचाकर भागने लगे।

नई दिल्ली। दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब वहां एक तीन मंजिला इमारत जमींदोज हो गई।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि जब इमारत जमींदोज हुई तो लोग जान बचाकर भागने लगे।

घटना में कोई हताहत नहीं

कल्यापुरी के ब्लाक-15 में मकान गिरने के मामले में कोई हताहत नहीं है। मकान मालिक वेद प्रकाश अपने दो भाइयों और माता के साथ यहां रहते हैं। उन्होंने बताया कि यह तीन मंजिला मकान साढ़े 22 गज का है।

पीडब्ल्यूडी की ओर से नाला बनाया जा रहा है। नाले की खोदाई के चलते उन्होंने विरोध भी किया था कि आठ से नौ फुट गड्ढा करने पर मकान को हानि पहुंचा सकती है।

चटकने की आवाज आई तो पुलिस को दी सूचना

करीब तीन बजे मकान के पीछे से चटकने की आवाज आते ही पुलिस को सूचना दे दी थी। पुलिस ने चारों ओर की दुकानों और मकान को खाली कराके बैरिकेडिंग कर दी थी। बैरिकेडिंग करने के एक घन्टे के भीतर मकान गिर गया। गृहस्थी का सामान भी मलबे में तब्दील हो चुका है।

101 वर्षों के इतिहास में सबसे पहले जारी हुआ हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का रिजल्ट

UP Board 10th 12th Result 2024 उत्तर प्रदेश माध्यमिक परिषद ने आज (20 अप्रैल) को यूपी बोर्ड कक्षा 10 और 12 के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। प्रदेश में हाईस्कूल में 89.55 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं। वहीं इंटरमीडिएट में 82.60 प्रतिशत छात्र-छात्राएं पास हुए हैं। 101 वर्षों के इतिहास में इस बार सबसे पहले हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का रिजल्ट जारी हुआ है।

नोएडा/गाजियाबाद/हापुड़। उत्तर प्रदेश माध्यमिक परिषद ने आज (20 अप्रैल) को यूपी बोर्ड कक्षा 10 और 12 के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। प्रदेश में हाईस्कूल में 89.55 प्रतिशत विद्यार्थी पास हुए हैं। वहीं, इंटरमीडिएट में 82.60 प्रतिशत छात्र-छात्राएं पास हुए हैं।

गौतमबुद्ध नगर में हाईस्कूल में कुल 22,828 बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ था, जिसमें से 21,554 बच्चों ने परीक्षा दी थी। इसमें से 20,501 बच्चे पास हुए।

गौतमबुद्ध नगर में इंटरमीडिएट में कुल 19,179 बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ था, जिसमें से 18,554 बच्चों ने परीक्षा दी थी। इसमें से 15,764 बच्चे पास हुए।

गाजियाबाद में हाईस्कूल में कुल 30,017 में बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ था, जिसमें से 28,534 बच्चों ने परीक्षा दी थी। इसमें से 26,906 बच्चे पास हुए।

गाजियाबाद में इंटरमीडिएट में कुल 23,295 में बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ था, जिसमें से 22,379 बच्चों ने परीक्षा दी थी। इसमें से 19,600 बच्चे पास हुए।

हापुड़ में हाईस्कूल में कुल 15,997 में बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ था जिसमें से 15490 बच्चों ने परीक्षा दी थी। इसमें से कुल 14,430 बच्चे पास हुए।

हापुड़ में इंटरमीडिएट में कुल 13,679 बच्चों का रजिस्ट्रेशन हुआ था, जिसमें से 13,337 बच्चों ने परीक्षा दी थी। इसमें से कुल 11,492 बच्चे पास हुए।

छात्र-छात्राएं हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के नतीजे यूपी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट्स upmsp.edu.in और upresults.nic.in पर चेक कर सकते हैं।

ऐसे करें चेक

पहले माध्यमिक शिक्षा परषिद की वेबसाइट upmsp.edu.in या http://upresult.nic.in/ पर जाएं।

इसके बाद UP Board Class 12th result 2024 या UP Board Class 10th result 2024 पर क्लिक करें।

अपना रोल नंबर, वर्ष और जिले का नाम दर्ज करें। फिर लॉग इन करें।

इसके बाद आपकारिजल्ट स्क्रीन पर दिख जाएगा।

मतदाता पहचान पत्र बनवाने की फिराक में थे बांग्लादेशी गिरोह के सदस्य

महिला सहित पांच बांग्लादेशी आधार कार्ड बनने के बाद मतदाता पहचान पत्र बनवाने की फिराक में थे। मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए आरोपितों अपना नाम गांव के एक व्यक्ति को लिखवा दिया था। बुलंदशहर के सिकंदराबाद में आरोपितों ने पहचान पत्र बनवाने के लिए फार्म भरने के लिए कई बार कोशिश की। गिरफ्तार हुई बांग्लादेश की 32 वर्षीय महिला रुखसाना पड़ोसी महिलाओं से काफी घुल मिल गई थी।

साहिबाबाद। कौशांबी थाना क्षेत्र में ठगी के आरोप में पकड़े गए महिला सहित पांच बांग्लादेशी आधार कार्ड बनने के बाद मतदाता पहचान पत्र बनवाने की फिराक में थे। इसके लिए आरोपितों ने भोवापुर के कई स्थानीय लोगों से बात की थी। बार-बार इसके लिए वह प्रयास कर रहे थे जिससे आने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान कर सकें। दैनिक जागरण टीम ने भोवापुर जाकर पड़ताल की तो यह बात सामने आई।

पड़ोसियों से बातचीत करती थी महिला

मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए आरोपितों अपना नाम गांव के एक व्यक्ति को लिखवा दिया था। बुलंदशहर के सिकंदराबाद में आरोपितों ने पहचान पत्र बनवाने के लिए फार्म भरने के लिए कई बार कोशिश की। गिरफ्तार हुए पांचों आरोपितों में ज्यादातर महिला ही पड़ोस के लोगों से बातचीत करती थी। उसी ने स्थानीय लोगों की मदद से मतदाता पहचान पत्र बनवाने का प्रयास किया था। पुलिस इसकी जांच कर रही है इनका पहचान पत्र बना है या नहीं। इसके लिए प्रशासन से भी मदद ली जा रही है। यदि इनका नाम मतदाता सूची में आ गया है तो उसे रद्द कराया जाएगा।

हालांकि अभी तक पहचान पत्र बनने की पुष्टि नहीं हुई है। उनके इरादों से साफ है कि वह यहां के खुद को अवैध रूप से स्थायी नागरिक बनना चाहते थे। यहां की चुनाव प्रक्रिया में भाग लेना चाहते थे। वह लोकसभा चुनाव में मतदान करना की भी बात करते थे।

पड़ोसियों से घुल-मिल गई थी महिला

गिरफ्तार हुई बांग्लादेश की 32 वर्षीय महिला रुखसाना पड़ोसी महिलाओं से काफी घुल मिल गई थी। उनकी एक पड़ोस में रहने वाली महिला ने बताया कि रुखसाना ने कई बार उनसे रसोई में प्रयोग वाला सामान लिया था। उन्हें कभी महसूस नहीं हुआ कि वह बांग्लादेश की है। वह इतना अच्छी हिंदी बोलती थी कि कोई उसे कोई पहचान नहीं सकता है। सभी आरोपित कमरे में रहते थे और महिला पड़ोस के लोगों से जान पहचान बनाती थी।

यूपी बोर्ड 10वीं-12वीं का रिजल्ट जारी, नोएडा में 10th में तनिश और 12th में निधि रानी ने किया टॉप

यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम शनिवार दोपहर दो बजे घोषित कर दिया गया है। नोएडा में यूपी बोर्ड के हाई स्कूल का रिजल्ट इस बार 95 .11 फीसदी रहा। जबकि पिछले साल 93 .03 रहा था। हाईस्कूल में नोएडा जिले में तनिश ने 95 .83 अंकों के साथ टॉप किया है। इंटरमीडिएट की परीक्षा में निधि रानी ने 93 .80 से जनपद में टॉप किया।

नोएडा। यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम शनिवार दोपहर दो बजे घोषित कर दिया गया है। प्रदेश में हाईस्कूल में 89.55 प्रतिशत और इंटरमीडिएट में 82.60 प्रतिशत छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए हैं।

नोएडा में 10वीं में तनिश ने किया टॉप

वहीं, नोएडा में यूपी बोर्ड के हाईस्कूल का रिजल्ट इस बार 95.11 फीसदी रहा। जबकि पिछले साल 93.03 रहा था। हाईस्कूल में नोएडा जिले में तनिश ने 95.83 अंकों के साथ टॉप किया है। वह एसडीएस इंटर कॉलेज नवादा, दनकौर के छात्र हैं।

तनिश को 600 में से 575 अंक मिले हैं। साथ ही इंटरमीडिएट की परीक्षा में निधि रानी ने 93.80 से जनपद में टॉप किया। निधि मिहिर भोज बालिका इंटर कॉलेज की छात्रा है।

हाईस्कूल में सर्वाधिक पास होने के मामले में नोएडा प्रदेश में तीसरे नंबर पर

यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा का परिणाम शनिवार को बोर्ड की ओर से घोषित कर दिया गया। हाईस्कूल में प्रदेश में तीसरे नंबर पर सबसे अधिक छात्र गौतमबुद्ध नगर में पास हुए है। हाईस्कूल का जिले में परिणाम 95 .22 प्रतिशत रहा है। पहले नंबर पर भदोही और दूसरे नंबर पर प्रयागराज के छात्रों ने जगह बनाई है।

ग्रेटर नोएडा। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा का परिणाम शनिवार को बोर्ड की ओर से घोषित कर दिया गया। हाईस्कूल में प्रदेश में तीसरे नंबर पर सबसे अधिक छात्र गौतमबुद्ध नगर में पास हुए है। हाईस्कूल का जिले में परिणाम 95.22 प्रतिशत रहा। पहले नंबर पर भदोही और दूसरे नंबर पर प्रयागराज के छात्रों ने जगह बनाई है। 2022 में प्रदेश में पहले पायदान पर जिले के छात्रों ने जगह बनाई थी।

साल 2023 में जनपद की रैंक सातवीं थी। इस सत्र में जनपद ने चार की छलांग लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया है। साल 2022 में जनपद पहले पायदान पर था। वहीं इंटरमीडिएट में सातवीं से 32वें पायदान पर जनपद पहुंच गया है, लेकिन छात्रों के पास होने के प्रतिशत में इजाफा हुआ है। पिछले सत्र में 82.41 प्रतिशत छात्र पास हुए थे, लेकिन इस सत्र में 84.96 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं।

वहीं, ग्रेटर नोएडा-गौतमबुद्ध नगर इंटर में परिणाम 84.96 फीसदी रहा। जनपद प्रदेश में 32वें स्थान पर रहा। जबकि पिछले साल 93.03 फीसदी रिजल्ट रहा था।

जिले से ये रहे टॉपर

बता दें, नोएडा में यूपी बोर्ड के हाई स्कूल का रिजल्ट इस बार 95.11 फीसदी रहा। जबकि पिछले साल 93.03 रहा था। हाईस्कूल में नोएडा जिले में तनिश ने 95.83 अंकों के साथ टॉप किया है। इंटरमीडिएट की परीक्षा में निधि रानी ने 93.80 से जनपद में टॉप किया।

हिंदू हारे क्यों और अब हिंदू उत्कर्ष के कारण क्या हैं ?

हिन्दुओं ने आत्म मुग्धता के साथ केवल अपने बारे में महानता की बातें कीं लेकिन जो सावरकर और हेडगेवार को जानते हैं वे समझते हैं कि अपनी दुर्बलताओं की और ध्यान दिए बिना शक्ति अर्जन का पथ प्रशस्त करना संभव नहीं होता।

तरुण विजय

वर्तमान हिंदू उदय का काल सनातन हिन्दुओं की वीरता और उनके असीम धैर्य के साथ विश्व में दुर्लभ संघर्ष की अद्भुत निरंतरता बताता है तो उसके साथ ही स्मरण रखना होगा पिछले कई सौ वर्षों में हिन्दू द्वारा हिन्दू से विद्वेष, हिंदू की हिंदू से शत्रुता, असंगठन, शत्रु के साथ अपने स्वार्थ के लिए जा मिलना और सामूहिक शत्रु के विरुद्ध अपने ईर्ष्या भाव ख़त्म कर संगठित बल से उस शत्रु का हनन करने की भावना का ना होना जिसने हिंदुओं को विदेशी क्षुद्र शक्तियों का दास बनाया।

हिन्दुओं ने आत्म मुग्धता के साथ केवल अपने बारे में महानता की बातें कीं लेकिन जो सावरकर और हेडगेवार को जानते हैं वे समझते हैं कि अपनी दुर्बलताओं की और ध्यान दिए बिना शक्ति अर्जन का पथ प्रशस्त करना संभव नहीं होता।

ये पांच सौ वर्ष कैसे बीते हमारे ? इन वर्षों में लाखों हिन्दुओं का वध हुआ, उनकी स्त्रियों का अपमान हुआ, बच्चे नर नारी गुलाम बनाकर काबुल और बग़दाद के बाज़ारों में बेचे गए, हमारे मंदिरों का ध्वंस हुआ और उनका अपमान हुआ, हमारे पूर्वजों को डरा धमका कर, संहार के भय से इस्लाम में लाया गया। आज उन मतांतरित हिन्दुओं के वंशज ही आक्रमणकारी विदेशियों की भांति हिन्दू धर्म, एवं आस्था स्थलों के प्रति घृणा का भाव रखते हैं, क्यों ? पांच सौ वर्षों के संघर्ष की निरंतरता के बाद हिन्दुओं के असीम धैर्य के बावजूद उनके प्रति मतांतरित जिहाद-अनुयायियों की शत्रुता काम क्यों नहीं हुयी ? हिन्दू इन विषयों पर सोचना भी नहीं चाहता। स्मृति भ्रंश और विगत के बलिदानों का विस्मरण हमारी बड़ी कमजोरी है। मंदिरों की अपरमित आय उच्च जातियों द्वारा नियंत्रित रहती है। हिन्दुओं का कौन सा एक भी मंदिर है जो अपने ही रक्तबंधु दलितों के प्रति समता और सच्चे आत्मीयता का भाव जन जन में पैदा करने के लिए दो चढ़ावा खर्च करता होगा ? अथवा देश के कोने कोने में हिन्दुओं को धर्मान्तरित करने वाली शक्तियों के सामने हिन्दू रक्षक और समरसता के यथार्थ प्रहरी भेजने हेतु अपने करोड़ो रुपये के हिन्दू-धर्म-दान का कोई अंश खर्च करता होगा ? इन हिन्दू मंदिरों के संचालक एवं धर्म कोष के अधिपति अपनी राजनीतिक अभीप्साओं की पूर्ति के लिए मंदिर कोष कभी सरकारी कार्यों हेतु, कभी आगंतुक राजनीतिक महानुभाव के सरकारी सहायता कोष हेतु, कभी सड़क पानी बिजली के लिए खर्च कर अपने लिए राजनीतिक पद और प्रतिष्ठा की संभावनाएं ढूंढते हैं। लेकिन अरुणाचल से लेकर अंडमान और लद्दाख तक जो संगठन हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए प्रयासरत हैं उनको कभी दो रुपये की सहायता नहीं देते।

> हिंदू पर्व केवल लोकाचार- रीति रिवाज और कर्मकांड के पालन द्वारा अपनी क्षुद्र मनोकामनाएं पूरी करवाने का पाखंड नहीं होना चाहिए। हिन्दू क्यों हारा? किन कारणों से आक्रमणकारी जीते? किन कारणों से हमारा संगठन जातियों, धन कुबेरों के स्वार्थों, धार्मिक कुरीतियों और रूढ़िवादिता के कारण छिन्न भिन्न होता रहा? और किन महापुरुषों ने हिन्दू संगठन का बीड़ा उठाया जिस कारण आज सर्वत्र एक हिंदू उत्कर्ष का भाव दिखने लगा है ?

हिंदू पर्व केवल लोकाचार- रीति रिवाज और कर्मकांड के पालन द्वारा अपनी क्षुद्र मनोकामनाएं पूरी करवाने का पाखंड नहीं होना चाहिए। हिन्दू क्यों हारा ? किन कारणों से आक्रमणकारी जीते ? किन कारणों से हमारा संगठन जातियों, धन कुबेरों के स्वार्थों, धार्मिक कुरीतियों और रूढ़िवादिता के कारण छिन्न भिन्न होता रहा ? और किन महापुरुषों ने हिन्दू संगठन का बीड़ा उठाया जिस कारण आज सर्वत्र एक हिंदू उत्कर्ष का भाव दिखने लगा है ? इन पर विचार किये बिना भारत के नवीन भाग्योदय पर विमर्श अधूरा ही कहा जायेगा।

स्मरण रखिये महाशक्ति संपन्न, विष्णु के अवतार श्री राघव को भी रावण वध से पूर्व भगवती शक्ति का आवाहन कर आशीर्वाद लेना पड़ा था. हमारे अवतारी पुरुष और वीर पराक्रमी गुरु दुष्ट हन्ता, जनसंगठक, मर्यादा रक्षक, प्रजा वत्सल, अत्यंत सौम्य, अक्रोधी, शालीन, भद्र, सबकी सुनने वाले और विनम्र रहे हैं। हमारे महापुरुषों ने जीवन भर जन हित के लिए संघर्ष किया- उनको जीवन में कभी लौकिक सुख नहीं मिला -विलासिता और ऐश्वर्य से कोसों दूर रहे।

क्या हम अपने अवतारी महापुरुषों के जीवन से कुछ सीखते हैं ?

यदि कृष्ण शक्ति, नीति और पराक्रम के योद्धा पुरुष थे जिनको सुदर्शन चक्र के प्रतापी रूप से जाना गया तो राम मर्यादा भक्षक रावण तथा उसके पुत्रों के वध के बाद उसकी स्वर्णमयी लंका भस्म कर- 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' कहते हुये अयोध्या लौटे-और कृष्ण ने मथुरा वृंदावन से हज़ारों मील दूर गुजरात में देहोत्सर्ग किया। दोनों ही अवतारी पुरुष शक्ति और पराक्रम के अन्यतम उदाहरण हैं। अर्थात जहाँ आवश्यक हो वहां अरि हनन कर सज्जनों को अभय देना ही हिन्दू सनातन परंपरा का प्राचीनतम सन्देश रहा है। शक्ति का उपार्जन करना, स्वयं को शत्रु से अधिक बलशाली बनाना, पश्चाताप रहित शत्रु को कभी क्षमा नहीं करना, उसके प्रति कोई दया भाव नहीं दिखाना, सत्य और धर्म रक्षा के लिए प्रत्येक पग उठाने का साहस रखना ही सनातन नियम है।

वर्तमान सन्दर्भों में भारत के आराधकों का विजय पथ पर आरोहण एक नए युग के प्रवर्तन का प्रतीक है। एक ओर यदि हिंदू उत्कर्ष की पुनः प्राप्ति हमारे संघर्ष के अटूट सातत्य का स्वर्णिम अध्याय है तो यह भी सत्य है कि सनातन पथ पर सनातन का नाम लेने वालों ने ही अति दुर्गम कंटक भी बोये, हिन्दू निर्वीर्य दुर्बलताओं का अनुभव भी हुआ, शक्ति अर्जन और जन संगठन में कमियां रहीं। 'तुम विजयी हो गए तो क्या हुआ, पहले यह बताओ मुझको क्या मिला ?' इस प्रकार के भाव लेकर सनातन ही सनातन की पराजय का कारण बना। यह इस प्रकार था मानों लंका विजय के बाद हनुमान श्री रघुवीर से पूछें कि अब मुझे कौन सा मंत्रालय मिलेगा ? अयोध्या वालों ने तो कोई युद्ध नहीं किया, इसलिए अधिकांश पद, वानर और रीछ जातियों के लिए आरक्षित होने चाहिए।

इस भाव के विरुद्ध जन संगठन और राष्ट्र धर्म सर्वोपरि मानने का भाव सनातन की विजय सुनिश्चित करता है। जितना भी यह भाव बढ़ेगा हिंदू उत्कर्ष उतना ही निकट आएगा।

- तरुण विजय
(लेखक पूर्व सांसद और वरिष्ठ पत्रकार हैं)

टाटा मोटर्स इस साल लॉन्च करेगी 4 नई एसयूवी, लिस्ट में नई EV भी शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

Tata Curvv EV इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में टाटा मोटर्स का अगला बड़ा लॉन्च होगा। टाटा हैरियर और सफारी के पेट्रोल-संचालित वर्जन लंबे समय से लंबित हैं और हमें उम्मीद है कि वे इस साल के अंत तक लॉन्च हो जाएंगे। Tata Punch 2021 से बाजार में है और एक नई डिजाइन लैंग्वेज के साथ इसके इलेक्ट्रिक संस्करण के लॉन्च के बाद अब अपडेटेड वर्जन जल्द देखने को मिल सकता है।

नई दिल्ली। Tata Motors मौजूदा समय में देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी बनी हुई है। इसके साथ ही कंपनी कई सेगमेंट के अंदर अपने नए प्रोडक्ट पेश करने का प्लान कर रही है। इसी कड़ी में भारतीय कार निर्माता साल के अंत तक चार नई एसयूवी पेश करेगी, जिसमें EV भी शामिल है। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

Tata Punch Facelift

Tata Punch 2021 से बाजार में है और एक नई डिजाइन लैंग्वेज के साथ इसके इलेक्ट्रिक संस्करण के लॉन्च के बाद, माइक्रो-एसयूवी का अपडेटेड वर्जन जल्द देखने को मिल सकता है। हाल ही में पहली बार टेस्टिंग के दौरान देखा गई पंच फेसलिफ्ट के त्योहारी सीजन 2024 के आसपास बिक्री पर जाने की उम्मीद है। डिजाइन में बदलाव के बारे में बात करें, तो टाटा की नवीनतम फसल के अनुरूप इसे कनेक्टेड एलईडी डीआरएल, वर्टिकल स्टैक्ड हेडलैम्प और अपडेटेड बंपर की उम्मीद है।

Tata Curvv EV

Tata Curvv EV इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में टाटा मोटर्स का अगला बड़ा लॉन्च होगा। इस कूप-एसयूवी को आखिरी बार भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2024 में इसके प्रोडक्शन-रेडी आईसीई संस्करण में प्रदर्शित किया गया था। इसके ईवी रूप में 2024 के मध्य में लॉन्च होने की उम्मीद है, जिसके बाद पारंपरिक रूप से संचालित कर्व को पेश किया जाएगा।

Tata Harrier और Safari Petrol

टाटा हैरियर और सफारी के पेट्रोल-संचालित वर्जन लंबे समय से लंबित हैं और हमें उम्मीद है कि वे इस साल के अंत तक लॉन्च हो जाएंगे। पहले यह अनुमान लगाया गया था कि टाटा मोटर्स की फ्लैगशिप एसयूवी को फेसलिफ्ट अपडेट के साथ एक नया पेट्रोल इंजन मिलेगा। हालांकि, उनके लॉन्च के समय नया इंजन विकास के अधीन था।

नया 1.5-लीटर tGDi 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन हैरियर और सफारी को पावर देगा, जिसे पहली बार 2023 ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। यह नई पेट्रोल मिल 168 बीएचपी पावर आउटपुट और 350 एनएम पीक टॉर्क के साथ आएगी। इसमें 6-स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स का विकल्प मिलेगा।

डुकाटी इंडिया का ग्राहकों को तोहफा! 1.5 लाख रुपये के डिस्काउंट के साथ मिल रहा बेहतरीन एक्सचेंज ऑफर

डुकाटी इंडिया ने घोषणा की है कि वे 20 और 21 अप्रैल को 25000 रुपये का एक्सचेंज बोनस देंगे। डुकाटी का कहना है कि वे चयनित V4 मॉडल की खरीद पर 1.5 लाख रुपये तक का स्टोर क्रेडिट भी देंगे। इसके अलावा इतालवी निर्माता वर्तमान में DesertX Rally और Panigale V2 के लिए नई लिवरली लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है।

नई दिल्ली। Ducati India ने अपने ग्राहकों के लिए नई बाइक खरीदने पर बेहतरीन ऑफर घोषणा की है, लेकिन ये लाभ केवल सीमित समय तक ही उठाया जा सकेगा। इसके अलावा इतालवी निर्माता वर्तमान में डेजर्टएक्स रैली और पैनिगेल वी2 के लिए एक नई पोशाक लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। आइए, कंपनी द्वारा पेश किए जा रहे ऑफर के बारे में जान लेते हैं।

Ducati India का ग्राहकों को तोहफा

कंपनी ने घोषणा की है कि वे 20 और 21 अप्रैल को 25,000 रुपये का एक्सचेंज बोनस देंगे। डुकाटी का कहना है कि वे

चयनित V4 मॉडल की खरीद पर 1.5 लाख रुपये तक का स्टोर क्रेडिट भी देंगे। इसके अलावा, इतालवी निर्माता 18,999 रुपये के ईएमआई विकल्प के साथ 9.99 प्रतिशत की ब्याज दर की पेशकश कर रहा है। साथ ही डुकाटी पुरानी मोटरसाइकिल की ऑनरशिप को फ्री में ट्रांसफर करने की सुविधा भी दे रही है।

DesertX Rally और Panigale V2 होगी अपडेट

इतालवी निर्माता वर्तमान में DesertX Rally और Panigale V2 के लिए नई लिवरली लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। डुकाटी डीलरशिप पर दोनों मोटरसाइकिलों की बुकिंग ओपन है। अभी तक आधिकारिक रूप से दोनों मोटरसाइकिलों की कीमत का खुलासा नहीं किया गया है।

एक ओर पैनिगेल V2 को एक नई लिवरली मिलेगी, वहीं डेजर्टएक्स रैली डेजर्टएक्स मोटरसाइकिल का एक हार्ड-कोर संस्करण है। इसमें 21 इंच का फ्रंट रिम और 18 इंच का रियर है। इस मोटरसाइकिल को रेसट्रैक पर अपनी गति के माध्यम से रखा गया है और यहां तक कि एर्जबर्ग रोडियो 2023 को भी टक्कर दी है।

इंजन और परफॉरमेंस

पैनिगेल V2 को पहियों पर लाल रंग और बैजिंग के साथ पूरी तरह से काले रंग में तैयार किया गया है। यह 955 सीसी, एल-ट्विन इंजन के साथ आती रहेगी, जिसे डुकाटी सुपरक्वाड्रो कहती है। यह 10,750 आरपीएम पर 152 बीएचपी की अधिकतम पावर और 9,000 आरपीएम पर 104 एनएम का पीक टॉर्क आउटपुट देता है। ऑन ड्यूटी गियरबॉक्स एक 6-स्पीड यूनिट है, जो डुकाटी क्विक शिफ्ट के साथ आता है।

टेस्ला साइबरट्रक में आई ये बड़ी दिक्कत, कंपनी ने वापस बुलाए सभी मॉडल; अब फ्री में बनाकर देना होगा

टेस्ला ने एक वीडियो वायरल होने के बाद अपने Cybertruck को वापस बुलाने की घोषणा की है। नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन में दाखिल एक फाइलिंग के अनुसार पैडल के ऊपर स्थित एक्सेलेरेटर पैडल पैड उखड़ सकता है ऊपर की ओर खिसक सकता है और फुटवेल स्पेस की ट्रिम के साथ फंस सकता है। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी Tesla ने एक वीडियो वायरल होने के बाद अपने Cybertruck को वापस बुलाने की घोषणा की है। इसमें दिखाया गया है कि ट्रक का एक्सीलेटर पेडल फंस गया है, जिससे संभावित रूप से वाहन की गति तेज हो सकती है और दुर्घटना हो सकती है।

Tesla ने वापस मंगाए सारे Cybertruck

कंपनी की ओर से अब तक डिलीवर किए गए सभी साइबरट्रक को वापस बुलाया गया है, इसलिए 3,878 यूनिट प्रभावित हुई हैं। नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन में दाखिल एक फाइलिंग के अनुसार, पैडल के ऊपर स्थित एक्सेलेरेटर पैडल पैड उखड़ सकता है, ऊपर की ओर खिसक सकता है और फुटवेल स्पेस की ट्रिम के साथ फंस सकता है। एनएचटीएसए ने कहा कि सोमवार तक टेस्ला को इस मुद्दे से संबंधित किसी भी टकराव, चोट या मौत की जानकारी नहीं थी।

ग्राहकों को करना होगा ये काम

नए एक्सीलेटर पेडल कंपोनेंट को फिट करवाने के लिए ग्राहक अपने साइबरट्रक को नजदीकी सर्विस सेंटर पर ले जा सकते हैं। टेस्ला ने कहा है कि एक्सेलेरेटर पैडल असेंबली का रिप्लेसमेंट बिना कोई चार्ज लिए किया जाएगा।

ये मॉडल भी किए रिकॉल

टेस्ला ने वार्निंग लाइट और फॉन्ट विजिबिलिटी में हो रही दिक्कत के चलते विभिन्न मॉडलों में लगभग 22 लाख इलेक्ट्रिक कारों को वापस बुलाया है। राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात सुरक्षा प्रशासन (एनएचटीएसए) के एक आधिकारिक बयान से पता चलता है कि ईवी निर्माता ने कथित तौर पर डैशबोर्ड वार्निंग लाइट्स पर साइबरट्रक समेत उन वाहनों को वापस बुलाया है, जिनका फॉन्ट साइज यूजर्स को देखने और समझने के लिए बहुत छोटा है।

Tesla Cybertruck

इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर निर्माता ने मूल शेड्यूल से दो साल पीछे नवंबर में ग्राहकों को साइबरट्रक पिकअप ट्रकों की डिलीवरी शुरू की, इस बात पर अनिश्चितता थी कि बड़े पैमाने पर उत्पादन कब शुरू होगा। हालांकि, टेस्ला धीरे-धीरे उत्पादन बढ़ाने की कोशिश कर रही है, लेकिन अनूठी विनिर्माण प्रक्रिया के कारण इसमें कुछ समय लग सकता है। Tesla Cybertruck का AWD वर्जन 80,000 डॉलर यानी लगभग 66 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध है।

जावा 32 नए शहरों में लगाएगी सर्विस कैंप, एक्सटेंडेड वारंटी मिलने के साथ होगा फ्री चेक-अप और पार्ट रिप्लेसमेंट

Jawa Yezdi Motorcycles ने अपने मेगा सर्विस कैंप के सेकेंड फेज की घोषणा की है। कंपनी की ओर से जून के अंत तक देश भर के 32 शहरों में सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। शुरुआती ग्राहक जिन्होंने सर्विस शेड्यूल फॉलो किया है उन्हें 6 महीने से लेकर 1 साल तक की एक्सटेंडेड वारंटी बी ऑफर की जाएगी। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। Jawa Yezdi Motorcycles ने अपने मेगा सर्विस कैंप के सेकेंड फेज की घोषणा की है। बाइक निर्माता इस साल 19 अप्रैल से जून के अंत तक देश भर के 32 शहरों में अपनी सेवाओं का विस्तार करेगा। मेगा सर्विस कैंप के दूसरे चरण में कंपनी टियर II और टियर III बाजारों में ग्राहकों तक पहुंचेगी। इसमें मुफ्त हेल्थ चेक-अप और पार्ट्स रिप्लेसमेंट की भी पेशकश की जाएगी। आइए, पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

Jawa के सर्विस कैंप में क्या खास?

इस महीने की शुरुआत में आयोजित जावा सर्विस कैंप का पहला चरण सफल रहा, जिसमें निर्माता ने भारत में 36 डीलरशिप में 6,250 से अधिक जावा मोटरसाइकिलों को सर्विस दी। दूसरा चरण 2019 और 2020 से जावा मोटरसाइकिलों को अपनाने वालों को कॉम्प्रिहेंसिव व्हीकल हेल्थ चेक-अप प्राप्त करने की अनुमति देगी। इस कैंप में विशेष रूप से उन कंपोनेंट्स को फ्री में बदला जाएगा, जिन्हें जंग लग गई है।

एक्सटेंडेड वारंटी भी ऑफर कर रही कंपनी

शुरुआती ग्राहक जिन्होंने सर्विस शेड्यूल फॉलो किया है, उन्हें 6 महीने से लेकर 1 साल तक की एक्सटेंडेड वारंटी बी ऑफर की जाएगी। मोटरसाइकिल की वारंटी स्थिति चाहे जो भी हो, कंपनी एक विस्तारित वारंटी निःशुल्क प्रदान करेगी। जैसा कि कहा गया है, एक्सटेंडेड वारंटी कैंप में किए जाने वाले प्रत्येक मोटरसाइकिल के व्यक्तिगत स्वास्थ्य मूल्यांकन पर आधारित होगी।

एक्सचेंज की भी सुविधा

जावा मेगा सर्विस कैंप के हिस्से के रूप में मोतुल, अमारोन और सिएट टायर्स सहित कई ओईएम के साथ सहयोग कर रहा है। कंपनी के पास अपनी मोटरसाइकिलों को अपग्रेड करने के इच्छुक मालिकों के लिए एक डेडिकेटेड स्पेस होगा, जहां वे एक्सचेंज ऑफर का लाभ उठा सकेंगे।

बजाज चेतक का किफायती वेरिएंट अगले महीने हो सकता है लॉन्च, केवल 1 लाख रुपये के करीब होगी कीमत

Bajaj Auto अगले महीने अपने Chetak Electric Scooter का नया वेरिएंट पेश करने वाला है। उम्मीद है कि नया चेतक वेरिएंट एक एंट्री-लेवल वर्जन होगा और इसकी कीमत लगभग 1 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) हो सकती है जो इसे अर्बन वेरिएंट से किफायती बनाएगा। बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेशक राकेश शर्मा ने कंपनी की लेटेस्ट अर्निंग कॉल के दौरान मीडिया से बात करते हुए विकास की पुष्टि की है।

नईदिल्ली। बजाज ऑटो अगले महीने अपने Chetak Electric Scooter का नया वेरिएंट पेश करने वाला है। बजाज चेतक को इस साल की शुरुआत में व्यापक अपडेट मिला था, लेकिन इसके साथ ही कीमतों में भी बढ़ोतरी देखी गई।

1 लाख से कम होगी कीमत

उम्मीद है कि नया चेतक वेरिएंट एक एंट्री-लेवल वर्जन होगा और इसकी कीमत लगभग 1 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) हो सकती है, जो इसे अर्बन वेरिएंट से किफायती बनाएगा। बजाज चेतक की कीमत वर्तमान में ₹1.23 लाख के बीच है, जो ₹1.47 लाख (एक्स-शोरूम, दिल्ली) तक जाती है।

कंपनी ने क्या कहा?

बजाज ऑटो के कार्यकारी निदेशक राकेश शर्मा ने कंपनी की लेटेस्ट अर्निंग कॉल के दौरान मीडिया से बात करते हुए विकास की पुष्टि की है। शर्मा ने बहुत अधिक विवरण दिए बिना खुलासा किया कि नई पेशकश में अधिक रसामूहिक अपील होगी। नए एंट्री-लेवल चेतक लागत को नियंत्रण में रखने के लिए एक हब मोटर और एक छोटे बैटरी पैक के साथ आ सकते हैं, जो निर्माता को कीमत तय करने में मदद करते हैं।

FAME सब्सिडी खत्म होने के बाद बढ़े दाम

हाल ही में इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में कीमतों में बढ़ोतरी के कारण अधिक लागत प्रभावी संस्करण की आवश्यकता उत्पन्न हुई है। FAME सब्सिडी खत्म होने और इस साल जुलाई तक अस्थायी EMPS प्रोत्साहन लागू होने से कीमतें हर जगह बढ़ गई हैं। जैसा कि कहा गया है, अधिकांश निर्माताओं ने खरीदारों को रोकने के लिए मामूली मूल्य वृद्धि का सहारा लिया है।

इन्हें मिलेगी टक्कर

इसके अलावा, अधिक किफायती बजाज चेतक टीवीएस आईक्यूब, ओला एस1 एक्स और नए एथर रिज्टा सहित अपने प्रतिद्वंद्वियों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने में सक्षम होगा। कंपनी चेतक की बिक्री और वितरण के साथ देश में आक्रामक रूप से अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही है और ई-स्कूटर अब 200 एक्सपीरिएंट सेंटर के माध्यम से 164 शहरों में उपलब्ध है।

नक्सलवाद पर कब लगेगी नकेल?

योगेंद्र योगी

माओवादियों के थिंक टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी नामक गांव से हुई और इसीलिए इस उग्रपंथी आंदोलन को नक्सलवाद के नाम से जाना जाता है।

सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सडक़ें बनाने की योजना पर तेजी से काम कर रही है और वर्ष 2022 तक 48877 किलोमीटर सडक़ें बनाने का लक्ष्य रखा गया है। वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में संचार सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकार बड़ी संख्या में मोबाइल टावर लगाने का काम कर रही है'

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इस ऑपरेशन के लिए सुरक्षाबलों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। जवान नक्सलियों के अड्डे तक पहुंचने के लिए 20 घंटे तक पैदल चले हैं। नक्सलियों के समूह को देखने के बाद पुलिस ने फायरिंग शुरू की थी। जब बंदूकें शांत हुईं, तो जंगल के फर्श पर सूखे पत्तों के बीच 29 माओवादी मृत पड़े थे। इनमें ललिता, शंकर और दूसरे कमांडर विनोद गावड़े के शवों की पहचान सबसे पहले की गई। मृतकों में पंद्रह महिलाएं भी थीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलियों के खिलाफ मिली सफलता को केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकार की उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बहुत कम समय में देश से नक्सलवाद को उखाड़ फेंका जाएगा। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद से इस अभियान को गति मिली है। नक्सली इलाकों में सुरक्षा बल कैंप लगाए जा रहे हैं। 19 के बाद इनकी संख्या 250 हो गई है। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस से भी मदद मिल रही है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद तीन महीने में 80 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। 125 गिरफ्तार हुए हैं और 150 ने आत्मसमर्पण किया है। देश के 10 राज्यों में 70 जिलों में नक्सलवाद का प्रभाव है। इनमें सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य झारखंड है, जहां 16 जिले हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित 14 जिले शामिल हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले 14 सालों के भीतर 1582 नक्सली मुठभेड़ें हुई हैं।

इन मुठभेड़ों के दौरान 1452 नक्सली मारे गए हैं। इस बीच 1002 आम नागरिकों की भी मौत हुई है। वहीं इन हमलों में 1222 जवान शहीद हो चुके हैं। छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद नक्सलियों को आशंका थी कि सरकार उनके खिलाफ अभियान तेज करेगी और हुआ भी ऐसा ही। राज्य की नई सरकार ने शांति का प्रस्ताव भी सामने रखा था, लेकिन नक्सल नेताओं की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। वहीं दूसरी तरफ पुलिस और सुरक्षाबलों को बस्तर में फ्री हैंड कर दिया गया है। ऐसे में पिछले तीन महीनों में नक्सलियों को कई बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। अब तक जहां माओवादियों के बटालियन स्तर के नेता ही ढेर हुए थे, तो इस बार शंकर राव जैसे डिवीजन लेवल का नेता पुलिस की गोली का शिकार हुआ है। ऐसे में नक्सली प्रदेश में पूरी तरह से बैकफुट में हैं। अब लगातार सवाल किए जा रहे हैं कि आखिर कब तक छत्तीसगढ़ को इस नक्सल दंश से छुटकारा मिल पाएगा और बस्तर में खून की होली थमेगी? सरकार, सुरक्षा बलों एवं स्थानीय लोगों की संयुक्त कोशिशों का परिणाम है कि पिछले एक दशक में वामपंथी अतिवाद संबंधी घटनाओं, मौतों और उनके भौगोलिक प्रसार में काफी कमी आई है। जहां वर्ष 2010 में वामपंथी अतिवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 96 थी, वहीं वर्ष 2018 में प्रभावित जिलों की संख्या 60 रह गई है। वर्ष 2009 में जहां नक्सलवाद की घटनाओं और इन घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्रमश 2258 व 1005 थी, वहीं वर्ष 2018 में यह संख्या घटकर क्रमश 833 एवं 240 रह गई। देश के जिन 8 राज्यों के लगभग 60 जिलों में यह समस्या बनी हुई है, उनमें ओडिशा के 5, झारखंड के 14, बिहार के 5, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 10, मध्य प्रदेश के 8, महाराष्ट्र के 2 तथा बंगाल के 8 जिले शामिल हैं। वर्ष 2015 के बाद से नक्सलियों के 90 प्रतिशत हमले लगभग चार राज्यों- छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और ओडिशा में हुए हैं।

माओवादियों के थिंक टैंक और प्रथम पंक्ति के नेता या तो मारे जा चुके हैं या इस विचारधारा को छोड़ चुके हैं। भारत में नक्सली हिंसा की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग जिले के नक्सलबाड़ी नामक गांव से हुई और इसीलिए इस उग्रपंथी आंदोलन को नक्सलवाद के नाम से जाना जाता है। जमींदारों द्वारा छोटे किसानों के उत्पीडऩ पर अंकुश लगाने के लिए सत्ता के खिलाफ चारू मजूमदार, कानू सान्याल और कन्हाई चटर्जी द्वारा शुरू किए गए इस सशस्त्र आंदोलन को नक्सलवाद का नाम दिया गया। यह आंदोलन चीन के कम्युनिस्ट नेता माओ त्से तुंग की नीतियों का अनुगामी था। आंदोलनकारियों का मानना था कि भारतीय मजदूरों और किसानों की दुर्दशा के लिए सरकारी नीतियां जिम्मेदार हैं। ये लोकतंत्र एवं लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ हैं और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने के लिए हिंसा का सहारा लेते हैं। ये समूह देश के अल्प विकसित क्षेत्रों में विकासात्मक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं और लोगों को सरकार के प्रति भड़काने की कोशिश करते हैं। केंद्र और राज्य सरकारें माओवादी हिंसा को मुख्यतः कानून-व्यवस्था की समस्या मानती रही हैं, लेकिन इसके मूल में गंभीर सामाजिक-आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सलियों का कहना है कि वे उन आदिवासियों और गरीबों के लिए लड़ रहे हैं, जिनकी सरकार ने दशकों से अनदेखी की है। वे जमीन के अधिकार एवं संसाधनों के वितरण के संघर्ष में स्थानीय सरोकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं। माओवाद प्रभावित अधिकतर इलाके आदिवासी बहुल हैं और यहां जीवनयापन की बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन इन इलाकों की प्राकृतिक संपदा के दोहन में सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने कोई कमी नहीं छोड़ी है। यहां न सडक़ें हैं, न पीने के लिए पानी की व्यवस्था, न शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं और न ही रोजगार के अवसर। नक्सलवाद के उभार के आर्थिक कारण भी रहे हैं। नक्सली सरकार के विकास कार्यों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करते हैं। वे आदिवासी क्षेत्रों का विकास नहीं होने देते और उन्हें सरकार के खिलाफ भडक़ाते हैं। वे लोगों से वसूली करते हैं एवं समांतर अदालतें लगाते हैं। प्रशासन तक पहुंच न हो पाने के कारण स्थानीय लोग नक्सलियों के अत्याचार का शिकार होते हैं।

अशिक्षा और विकास कार्यों की उपेक्षा ने स्थानीय लोगों एवं नक्सलियों के बीच गठबंधन को मजबूत बनाया है। नक्सलवादियों की सफलता की वजह उन्हें स्थानीय स्तर पर मिलने वाला समर्थन रहा है, जिसमें अब धीरे-धीरे कमी आ रही है। सरकार नक्सली चरमपंथ से निबटने के लिए बहुआयामी रणनीति अपना रही है। इसमें सुरक्षा एवं विकास से संबंधित उपाय तथा आदिवासी एवं अन्य कमजोर वर्ग के लोगों को उनका अधिकार दिलाने से संबंधित उपाय शामिल हैं। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, कौशल विकास, शिक्षा, ऊर्जा और डिजिटल संपर्क का यथासंभव विस्तार करने के भी प्रयास कर रही है। सरकार की इस नीति के परिणामस्वरूप नक्सलियों के हौसले कमजोर हुए हैं तथा उनके आत्मसमर्पण की संख्या लगातार बढ़ रही है। विमुद्रीकरण ने भी नक्सलियों को पहुंचने वाली वित्तीय सहायता पर लगाम लगाई है और इसके बाद से अब तक 700 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सडक़ें बनाने की योजना पर तेजी से काम कर रही है और वर्ष 2022 तक 48877 किलोमीटर सडक़ें बनाने का लक्ष्य रखा गया है। वामपंथी अतिवाद से प्रभावित क्षेत्रों में संचार सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकार बड़ी संख्या में मोबाइल टावर लगाने का काम कर रही है। इसके तहत कुल 4072 मोबाइल टावर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। निश्चित तौर पर पुलिस की दबाव बनाने की सक्रिय कार्रवाई और विकास बहुआयामी योजनाओं से नक्सली समस्या जड़-मूल से समाप्त हो सकेगी। इस समस्या के समाधान के लिए जनता का समर्थन भी जुटाना होगा।

संपादक की कलम से

ईवीएम का औचित्य

आम चुनाव, 2024 के लिए मतदान की शुरुआत हो चुकी है। देश के 17 राज्यों और 7 संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोगला क्यों है? संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर लौटना क्यों चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है।

ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल किया जा चुका है। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ 'भ्रष्ट' हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है।

उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है। आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं।

चर्चा

सियासी आस्था से परे

बेशक मुकेश अग्निहोत्री की बेटी आस्था ने चुनाव लडऩे में अनिच्छा जाहिर की, लेकिन कुछ तो ऐसा रहा कि कांग्रेस के सियासी तराजू में उसका वजन देखा गया। जिस सौम्यता, सादगी और तहजीब का इजहार करती हुई आस्था ने राजनीतिक परंपराओं में खुद को अंकित कर लिया, वहां नई संभावनाओं के अक्स खुलते हैं। राजनीतिक शास्त्र में हिमाचल का अध्ययन फिलहाल इस स्तर का नहीं है कि पूरी तरह मूल्यांकन किया जाए, लेकिन कुछ तो ऐसे चेहरे आ रहे हैं जिनके कारण परिपाटी निश्चित रूप से बदलेगी। यहां आस्था बनाम कंगना के बीच बंटी हुई राजनीति का मूल्यांकन जरूर एक दिन होगा। आक्रामकता के मायनों में सियासत जिस चरित्र को खोज रही है, उसके विपरीत एक श्रृंखला आस्था अग्निहोत्री से शुरू होती है। जाहिर है डिप्टी सीएम ने राजनीतिक परिवार होने से पहले सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि का पालन पोषण किया है। इस बेटी के उद्गार एक दिन राजनीतिक क्षेत्र के लिए उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं, लेकिन तात्कालिक अवसर से दूर रह कर अग्निहोत्री परिवार ने कांग्रेस का शिखर जरूर पैदा किया है। बतौर नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री की पिछली पारी से एकदम भिन्न वर्तमान सत्ता में उनका अंदाज व एहसास अपराजेय साबित होता है।

भले ही उप मुख्यमंत्री के रूप में उनकी प्रशासनिक क्षमता के अनुपात में सरकार के विभाग न बंटे हों, लेकिन राजनीति का बड़ा इतिहास वह जीत चुके हैं। एक पिता के रूप में, बेटी में उसकी मां की विरासत पुनः जीवंत और मर्यादित दिखाई देती है, तो इस तरह वह राजनीति की वर्तमान स्थिति से कहीं मीलों आगे हो जाते हैं। तमाम सियासी पंडितों और कांग्रेस प्रेमियों के लिए हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की तारणहार अगर आस्था को माना गया, तो यह दर्जा मुकेश अग्निहोत्री की सियासत को परिपक्व, संतुलित और सहज स्वीकार्य बनाता है। यह केवल कांग्रेस के लिए ही नहीं, बल्कि तमाम राजनीतिक दलों के लिए भी एक प्रेरक प्रसंग की तरह याद किया जाना चाहिए, लेकिन इसी कांग्रेस के दूसरे पक्ष में तमाम घमासान व टिकट के इंतजार में इंतकाम के सबब सामने आ रहे हैं। अब कांग्रेस के बीच पार्टी के कार्यकर्ता नहीं, कोई राजपूत, कोई ब्राह्मण, कोई ओबीसी, कोई गद्दी, तो कोई दलित बना बैठा है। सोशल मीडिया पर राजनीतिक चरित्र के फटेहाल न देखे जा सकते और न ही समझे जा सकते। इन तमाम बुराइयों के बावजूद कुछ चेहरे सिद्धांत और मर्यादा की बात करने और कहने सियासत में आए हैं। विलुप्त होती परंपराओं के बीच जब कभी शांता कुमार सरीखा सियासी दिग्गज अपनी ही पार्टी और केंद्र सरकार पर प्रश्न उठाता है, तो लोकतंत्र की आत्मा जी उठती है। वह कांग्रेस सरकार के मुखिया वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू की कुछ योजनाओं व संकल्पों की तारीफ करते हैं, तो हिमाचल के संदर्भ सकारात्मक हो जाते हैं, लेकिन जिस तरह के आदान-प्रदान के बीच वर्तमान चुनाव के बोल सामने आ रहे हैं, उससे सामाजिक मूल्यों की न जाने कितनी अर्थियां उठ रही हैं। बयानों के विष में प्रतिशोध से भीगे हथियार पहले ही हिमाचल के छह उपचुनावों को जहर चटा चुके हैं, तो यह भाषा कहां तक गिरेगी, कौन अंदाजा लगा सकता है। हम सत्ता और विपक्ष के चरित्र में समाज को कई गालियां सुना रहे हैं। चुनावों में अंधे शगुन और बहरे उपहार देने की मंशा से एक विकरालता हिमाचल के आचरण में आ चुकी है। यहां समाज के पंछी, सरकारी नौकरी के परिंदे, बेरोजगारों के काफिले, व्यापारियों के साये और विभिन्न समुदाय अपने लिए सियासत का अवसरवाद देख रहे हैं।

रमेश धवाला

आज के युग में परिवार में संतुलन जरूरी

हर बुजुर्ग के पास अपने कुछ ऐसे अनुभव और सीख होती है जो कि गूगल में भी नहीं मिलती। एकल परिवार में अकेलेपन के शिकार बच्चे कई प्रकार की मानसिक विकृतियों का शिकार हो रहे हैं। बुजुर्ग अपने संघर्ष के बारे में जो बताते थे तो बच्चे प्रोत्साहित होते थे और विषम से विषम परिस्थितियों को संभालने की क्षमता रखते थे। पर आज छोटी-छोटी बातों पर आत्महत्या या दूसरों की हत्या एक आम बात हो चुकी है। बच्चे नशे के जाल में फंस कर जीवन बर्बाद कर रहे हैं'

परम पिता परमेश्वर ने जब सृष्टि की रचना की तो अपनी अलौकिक शक्ति व दिव्य दृष्टि से प्रत्येक कमी को जांचा-परखा और प्राणियों में एक ऐसा संतुलन बनाया जिससे सभी प्रकार के प्राणी एक-दूसरे के पूरक बनकर आनंदमय जीवन व्यतीत कर सकें। मनुष्य समाज की इकाई बना। मानव से परिवार और परिवार से समाज की स्थापना हुई। मानव समाज के लिए परिवार न केवल आवश्यक है, अपितु एक सुरक्षित एवं आदर्श संस्था भी है। पर विगत कुछ वर्षों में इस संस्था की जड़ें कुछ हिलने लगी हैं। रचयिता ने जब अविकसित बचपन, पूर्ण विकसित युवावस्था और जीर्ण-शीर्ण वृद्धावस्था की तस्वीर बनाई तो उन्हें लगा कि बच्चे तो नन्हे-मुन्ने से प्यारे-प्यारे कोमल खिलौने उनके मां-बाप और अन्य सभी के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। उनके अविकसित तन और नादान मन को विकसित होने में सभी प्यार से सहयोग करेंगे। पर जब बचपन के बाद जवानी और बुढ़ापा आया तो उन्हें लगा कि जवानी तो स्वयं ही फौलाद होगी जो सबको संभालेगी पर बुढ़ापा कुरूप, निर्बल, मृत्यु की कगार पर डगमगाता सा एक पेड़ जिसके सभी पत्ते और शाखाएं थक कर और सूख कर गिरने वाले होंगे, उसे भी सहारा चाहिए। तो वृद्धावस्था को सुरक्षित रखने के लिए बचपन और बुढ़ापे में एक संतुलन बनाया गया।

अंत में वैसे भी वृद्धों के मन बच्चों की तरह हो जाते हैं और वे घर में रहकर बच्चों को संभाल सकते हैं, क्योंकि बच्चे कोमल और वृद्ध निर्बल होते हैं। परिवार में बुजुर्गों को सम्मान दिया गया। बच्चों के माता-पिता बुजुर्गों का सम्मान करते और बुजुर्ग अपने अनुभवों और ज्ञान को साझा कर अगली पीढ़ी को जीना और कार्य करना सिखाते थे। नई पीढ़ी भी उनकी सेवा और आज्ञापालन करना अपना कत्र्तव्य समझती थी और बच्चों को भी यह सिखाया जाता था। मां-बाप अपने बच्चों को बुजुर्गों के पास सौंप कर निश्चिंत होकर घर अंदर-बाहर के कार्य करने निकल पड़ते थे। पहाड़ी भाषा में एक कहावत है कि मूल से प्यारा ब्याज होता है क्योंकि बुजुर्गों को नाती-पोते अपने बच्चों से अधिक प्यारे होते हैं। जब मां-बाप बच्चों की शरारतों पर पिटाई करने लगते तो बच्चे दादी-नाना की गोद में छिप जाते हैं और दादा-दादी बच्चों को मारने वाले मां-बाप को पिटाई करने से रोकते और डांटते। इस प्रकार बच्चे बुजुर्गों के साथ मिलकर खूब आनंद और मस्ती करते तथा बुजुर्ग भी बच्चों के साथ बच्चे ही बन जाते और अपनी मनपसंद खानपान की चीजें चोरी-छुपे बच्चों के साथ खूब चटकारे भरकर खाते। बच्चे अपनी दादी-नानी से रामायण, महाभारत, परियों की कहानियां, पहेलियां बड़े शौक-प्यार से सुनते थे। बच्चों में बचपन से ही संयुक्त परिवार में रहकर बड़ों का सम्मान और छोटे से प्यार करने की भावना का विकास होता था। उनमें मिल-जुलकर बांट कर खाने की भावना और सहनशीलता होती। इस प्रकार आयु की रेल पर जीवन रूपी यात्रा वृद्ध रूपी गार्ड के संचालन में बचपन, किशोरावस्था, यौवनावस्था और वृद्धावस्था रूपी स्टेशनों को पार करती हुई मृत्यु रूपी निश्चित स्टेशन पर बड़े आराम से पहुंच जाती थी। पर आज के इस भौतिकवादी युग में बच्चों का बचपन वीडियो गेम में खो गया है और उन्हें सिखाया जाता है कि मिट्टी से हाथ -पैर गंदे हो जाते हैं। आज पढ़े-लिखे बुजुर्गों को भी दरकिनार कर दिया जाता है, क्योंकि वे नए जमाने का ज्ञान नहीं रखते। बच्चे एक ऐसे परिवार में रहते हैं जहां न दादा-दादी हैं, न चाचा-ताया या परिवार के अन्य सदस्य।

अगर किसी परिवार में बुजुर्ग हैं भी तो किसी के भी पास उनके साथ बैठने के लिए समय नहीं है। बच्चों को उनके पास बैठने से मां-बाप मना करते हैं कि वृद्ध उन्हें आधुनिक बातें नहीं सीखा पाएंगे और हमारे बच्चे पिछड़ जाएंगे। उनके मां-बाप भी वृद्धों को यही कहकर चुप करा देते हैं कि आपको आधुनिक ज्ञान नहीं है। हमें आपसे ज्यादा ज्ञान है। जैसे घर में पड़े पुराने सामान को कबाड़ी को बेच दिया जाता है, ऐसे ही वृद्धों को वृद्धाश्रमों में छोड़ा जा रहा है, जहां वे अपने परिवार के लिए खून के आंसू रोते हैं। यहां तक कि उनके क्रिया-कर्म को भी उनकी संतान के पास समय नहीं है। यौवन के नशे में चूर उनकी संतानें यह क्यों नहीं समझती कि ये वृद्ध भी कभी उनकी तरह बलशाली जवान थे, पर जवानी में फौलाद सा शरीर एक दिन बुढ़ापे की जंग लगकर जर्जर हो जाएगा, तब उन्हें भी सहारे की आवश्यकता होगी। इस बात को भी क्यों नहीं सोच पाते कि हम भी कभी बुजुर्ग होंगे, तब हमारे बच्चे भी हमारा अनुकरण करते हुए हमारे साथ भी वही व्यवहार करेंगे जो हमने अपने बुजुर्गों के साथ किया है। हर बुजुर्ग के पास अपने कुछ ऐसे अनुभव और सीख होती है जो कि गूगल में भी नहीं मिलती। एकल परिवार में अकेलेपन के शिकार बच्चे कई प्रकार की मानसिक विकृतियों का शिकार हो रहे हैं। बुजुर्ग अपने संघर्ष के बारे में जो बताते थे तो बच्चे प्रोत्साहित होते थे और विषम से विषम परिस्थितियों को संभालने की क्षमता रखते थे। पर आज छोटी-छोटी बातों पर आत्महत्या या दूसरों की हत्या एक आम बात हो चुकी है।

बच्चे कई प्रकार के नशे के जाल में फंस कर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। जैसे कि बूढ़े से बूढ़े पुराने तरु भी छाया और फल देते हैं, वैसे ही बुजुर्गों के पास भी प्यार, आशीर्वाद, जीवन के अनुभवों का अमूल्य खजाना होता है। तो क्यों न आधुनिकता और सोशल मीडिया के भीड़ भरे बाजार में बिखरती बचपन की कोमल शाखाओं को वृद्धों की छत्रछाया में रखकर, उनके प्यार के सागर से सींचकर उनके सर्वांगीण विकास के साथ एक बलशाली तन-मन, मस्तिष्क के साथ राम, लक्ष्मण, अर्जुन, युधिष्ठिर जैसी बहादुर पीढ़ी का अवतरण किया जाए, जिनके संस्कारों की छत्रछाया में न जाने कितने लोगों को आश्रय देने की क्षमता हो।

कविता सिसोदिया

छिलकों की छाबड़ी : ब्रीफकेस की जय हो!

देखिए जी, मैंने अपनी जिंदगी में या तो ईमानदारी को महत्व दिया है या फिर ब्रीफकेस को। ब्रीफकेस में हम महत्वपूर्ण दस्तावेज रखते हैं। कई बार जल्दी-जल्दी में अंडरवियर और बनियान भी रख लेते हैं और टूथब्रश भी रख लेते हैं। टूथब्रश इसलिए रखते हैं कि दांत चमचमाते रहें और लोग हमारी स्माइल पर चित होते रहें। अंडरवियर और बनियान इसलिए रखते हैं कि दो-चार दिन कहीं रुकना भी पड़ सकता है। लेकिन ब्रीफकेस में नोट भी रखे जाते हैं। ऐसा अनुभव मुझे दो-चार बार हुआ है। मैं एक नेताजी का पीए था। उनके पास जब कोई उद्योगपति आता था तो ब्रीफकेस लेकर आता था। उस उद्योगपति को बड़ी शान और आदर से ड्राइंग रूम में बिठाया जाता था। नेताजी का अर्दली उस उद्योगपति को अभिवादन करते हुए बड़े श्रद्धा भाव से उस ब्रीफकेस को भीतर ले जाता था। नेताजी ब्रीफकेस का अवलोकन करते थे। ब्रीफकेस जितना वजनी होता था, उनकी मुस्कुराहट उतनी ही जानदार होती थी। नेताजी की आंखों की रोशनी ही बता देती थी कि उस उद्योगपति को क्या भाव दिया जाना है। नेताजी के स्टाफ के लोग नेताजी के चेहरे के भाव पढ़ते रहते थे। उन्हें इसी चीज की तनख्वाह मिलती थी। हर आगंतुक उद्योगपति के अलग-अलग भाव होते थे और ये भाव उनके ब्रीफकेस के वजन के आधार पर तय होते थे। नेताजी इतने दरियादिल थे कि उद्योगपतियों के लिए उनके दरवाजे दिन-रात खुले रहते थे।

एक बार नेताजी की सल्तनत में बगावत हो गई। ब्रीफकेस इस बगावत में चर्चा में आ गए। बगावत करने वालों का नेताजी पर खुल्लम-खुल्ला आरोप था कि जब भी वह अपने प्रदेश के दौरे से बाहर जाते थे तो एक फाइव स्टार होटल में रुकते थे और वहां ब्रीफकेस में उन्हें संजीवनी दी जाती थी। उनमें से आधी संजीवनी वह खुद रख लेते थे और बाकी की संजीवनी हाईकमान को भेज देते थे। इससे उनकी सल्तनत चल रही थी। लेकिन ब्रीफकेस का दूसरा पहलू भी था। नेताजी आरोप लगाते थे कि उनसे गद्दारी करने वाले ब्रीफकेस में रिश्वत लेते थे और ब्रीफकेस प्रदेश से बाहर खरीदे और बेचे जाते थे। अब पब्लिक कंफ्यूजन में थी कि नेताजी ईमानदार है या उन्हें नीचा दिखाने वाले विरोधी ईमानदार हैं। ईमानदारी पर बहस होती थी तो ब्रीफकेस चर्चा में आ जाता था। अब ब्रीफकेस बेचारे का क्या कसूर। ब्रीफकेस तो महज एक मोहरा है। उसकी महिमा फिर भी अपरंपार है। नेताजी की कोठी में जब कोई ब्रीफकेस लेकर आता है तो सिक्योरिटी कर्मी एक दूसरे को आंख मारते हैं। नेताजी का कैरेक्टर वहीं से पता चल जाता है। नेताजी की कोठी में अगर आलीशान गाड़ी में पांच सात लोग ब्रीफकेस लेकर आते हैं तो सिक्योरिटी वाले समझ जाते हैं कि ये वीआईपी आदमी हैं जो नेताजी की किस्मत को बुलंदी पर ले जाने के लिए पूरी तैयारी से आए हैं। सिक्योरिटी वाले इन लोगों को सैल्यूट ठोकते हैं। लोकतंत्र की आत्मा वशीभूत हो जाती है। ब्रीफकेस के इर्द-गिर्द मंडराने-आने लगती है। नतमस्तक होने लगती है। ब्रीफकेस लोकतंत्र की आन, बान और शान बन जाता है। और ब्रीफकेस पाकर नेताजी लोकतंत्र के प्रहरी बन जाते हैं। एक बार ब्रीफकेस बेचारा बदनाम भी हो गया। उसकी जब चेकिंग हुई तो उसमें दारू की पांच बोतलें निकली। पुलिस वालों ने ब्रीफकेस धारण कर्ता को शिकंजे में ले लिया। फिर एक और ब्रीफकेस खुला। पुलिस वालों ने उस धारणकत्र्ता को सैल्यूट ठोंका और उसकी जय जयकार के नारे लगाए। पुलिस वालों का मनोबल हार गया। ब्रीफकेस जीत गया। ब्रीफकेस की महिमा अपरंपार रही। नेताजी की साख बरकरार रही।

गुरमीत बेदी

आईपीएल से ले सकते हैं निवेश के ये पांच सबक विराट के चौके और रोहित के छक्कों की तरह

परिवहन विशेष न्यूज

आईपीएल ने कामयाबी के मामले में कई कीर्तिमान रचे हैं। यह काफी कम समय में ही दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग बन गई। इसने क्रिकेटरों को मालामाल तो किया ही साथ में टैक्स के जरिए सरकार की भी झोली भरी। अगर आपको शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट करके पैसे कमाना है तो आप आईपीएल से काफी कुछ सीख सकते हैं।

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) ने कामयाबी की नई इबारत लिखी है। इसका लोकप्रियता और पैसा कमाने के मामले में कोई तोड़ नहीं है। IPL क्रिकेट की सबसे लीग तो है ही, यह अमेरिका की नेशनल फुटबॉल लीग (NFL) के बाद दुनिया की दूसरी सबसे कामयाब लीग है।

भारत के शेयर मार्केट और IPL ने लगभग एक साथ ही उड़ान भरनी शुरू की थी। ऐसे में अगर आपको शेयर मार्केट में निवेश का सबक सीखना है, तो IPL से बेहतर मिसाल शायद ही कोई दूसरी होगी। आइए जानते हैं कि आप आईपीएल से निवेश का क्या सबक सीख सकते हैं।

ओवरवैल्यूड स्टॉक के पीछे मत भागिए

आपको उन स्टॉक के पीछे नहीं भागना है, जिनकी प्राइस बहुत अधिक हो चुकी है। ऐसे स्टॉक को ओवरवैल्यूड कहा जाता है और इनसे अच्छा रिटर्न मिलने की गुंजाइश काफी कम रहती है।

मिसाल के लिए, इस बार कोलकाता नाइटराइडर्स ने ऑस्ट्रेलियाई खब्बू गेंदबाज मिशेल स्टार्क को सबसे अधिक कीमत में खरीदा, 24.75 करोड़ रुपये में। लेकिन, स्टार्क ने 6 मैचों में सिर्फ 5 विकेट लिए हैं और उन्होंने प्रति ओवर करीब 11 रन लुटाए हैं।

सस्ते, लेकिन दमदार फंडामेंटल पर दांव

आप उन शेयरों पर दांव लगाना चाहिए, जो सस्ते हो, लेकिन उनका फंडामेंडल मजबूत हो। ऐसे स्टॉक आपको लगातार अच्छा रिटर्न देते हैं। इसका सबसे अच्छा उदाहरण हैं, मयंक यादव, रिंकू सिंह और रचिन रवींद्र। लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) ने मयंक को सिर्फ 20 लाख और चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) ने 1.8 करोड़ रुपये में खरीदा।

मयंक ने अभी तक 3 मैच खेले हैं, जिनमें से दो में उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अभी तक 6 विकेट लिए हैं और उनकी इकोनॉमी भी 6 की है, जिसे टी20 के लिहाज से अद्भुत ही कहा जाएगा।

अच्छे स्टॉक पर भरोसा बनाए रखें

कई स्टॉक की बैलेंस शीट काफी मजबूत होती है, लेकिन जब कुछ समय तक उनसे हमें अच्छा रिटर्न नहीं मिलता, तो हम उन्हें अपने पोर्टफोलियो से निकाल देते हैं, उन्हें बेच देते हैं। लेकिन, हमें अच्छे स्टॉक के साथ बने रहना चाहिए, जैसे कि राजस्थान रॉयल्स रियान पराग के साथ बना रहा।

रियान पराग काफी लंबे समय से राजस्थान से जुड़े रहे, लेकिन इस दौरान उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया गया। हालांकि, राजस्थान उन्हें लगातार मौके देती रही। इस आईपीएल सीजन में रियान ने राजस्थान के अब तक की निवेश की पूरी भरपाई कर दी है।

वह मौजूदा सीजन में सबसे अधिक रन बनाने वालों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं, विराट कोहली के बाद। रियान ने 7 मैचों में अब तक 318 रन बनाए हैं। औसत 64 का है और स्ट्राइक रेट 161 का।

अच्छे स्टॉक को होल्ड करना जरूरी

अगर कोई स्टॉक ठीक-ठाक रिटर्न दे रहा है, तो उसे लॉन्ग टर्म के लिए होल्ड करना चाहिए। और यह सबक आप सीख सकते हैं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की गलती से। करिश्माई लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल लंबे वक्त तक RCB का हिस्सा रहे, लेकिन फ्रेंचाइजी ने अचानक उन्हें रिलीज कर दिया और ऑक्शन में उन्हें दोबारा खरीदने की कोशिश भी नहीं की।

राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 6.5 करोड़ में अपने साथ जोड़ा और वह टीम के लिए कई मैच जिताऊ प्रदर्शन कर चुकेहैं। वह 199 विकेट के साथ आईपीएल के इतिहास में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बन चुके हैं।

लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट करें

अगर शेयर बाजार से सही मायने में मुनाफा कमाना है, तो फिर कुछ ऐसे स्टॉक पर दांव लगाइए, जो आपके पूरे पोर्टफोलियो को अपने दम पर खींच सकें। यह आपका लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट होना चाहिए। जैसे कि चेन्नई सुपर किंग्स ने महेंद्र सिंह धोनी, मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा और रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु ने विराट कोहली पर किया था।

ये सभी खिलाड़ी अपनी फ्रेंचाइजी की शान हैं। धोनी और रोहित ने तो अपनी टीमों को भर-भर के आईपीएल ट्रॉफियां भी जिताई हैं। कोहली बेशक आरसीबी को एक भी ट्रॉफी नहीं जिता सके, लेकिन आरसीबी का नाम और पहचान उन्हीं से है।

आईसीआईसीआई बैंक और येस बैंक ने बदले सेविंग्स अकाउंट से जुड़े नियम, अब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है जेब

प्राइवेट सेक्टर के यस बैंक और ICICI बैंक अपने बचत खाते (Savings Account) के सर्विस चार्जेज में बदलाव करने वाले हैं। साथ ही दोनों बैंक कुछ अकाउंट को बंद भी करने वाले हैं। ये बदलाव अगले महीने की पहली तारीख यानी 1 मई से लागू होंगे। इन बदलावों का असर Yes Bank और ICICI बैंक के ग्राहकों की जेब पर भी पड़ेगा।

नई दिल्ली। प्राइवेट सेक्टर के यस बैंक (Yes Bank) और ICICI बैंक बचत खाते (Savings Account) के सर्विस चार्जेज में बदलाव करने वाले हैं। साथ ही, दोनों बैंक कुछ अकाउंट को बंद भी करने वाले हैं। ये बदलाव 1 मई से लागू होंगे।

यस बैंक में क्या बदलाव होगा?

यस बैंक ने सेविंग्स अकाउंट्स के अलग-अलग वेरिएंट्स के मिनिमम एवरेज बैलेंस में बदलाव किया गया है। अगर प्रो मैक्स अकाउंट की बात करें, तो मिनिमम एवरेज बैलेंस 50 हजार रुपये हो जाएगा। वहीं, मैक्सिमम चार्ज के लिए 1,000 रुपये की लिमिट रहेगी।

अगर सेविंग अकाउंट प्रो प्लस, Yes Essence SA और YES Respect SA वाले कस्टमर की बात करें, तो उनके लिए मिनिमम बैलेंस अब 25,000 रुपये हो जाएगा। अगर किसी कस्टमर के पास Saving Account PRo अकाउंट है, तो उनके लिए मिनिमम बैलेंस 10 हजार रुपये होगा। अगर चार्जेज की बात करें, तो मैक्सिमम लिमिट 750 रुपये होगी।

यस बैंक ने कुछ अकाउंट्स को बंद करने वाला भी है। जैसे कि Saving Exclusive और Yes Saving Select।

ICICI Bank क्या बदलाव करेगा?

ICICI Bank ने भी कुछ सेवाओं की फीस स्ट्रक्चर में बदलाव किया है। इनमें मिनिमम एवरेज बैलेंस, कैश ट्रांजेक्शन चार्ज और एटीएम इंटरचेंज फीस जैसी चीजें शामिल हैं।

ICICI बैंक ने रेगुलर सेविंग्स अकाउंट में कुछ अहम बदलाव किए हैं। मसलन, डेबिट कार्ड की एनुअल फीस 2000 रुपये हो गई है। हालांकि, ग्रामीण इलाकों के लिए यह सालाना 99 रुपये होगी।

ज्यादा चेक बुक का इस्तेमाल महंगा पड़ेगा

अगर ICICI बैंक आप चेक बुक का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, तो आपको अतिरिक्त चार्ज देना पड़ेगा। एक साल में 25 पन्ने वाली चेक बुक फ्री रहेगी। लेकिन, उसके बाद हर अतिरिक्त पन्ने के लिए आपको 4 रुपये देने होंगे।

एक साल में 250 प्रतिशत रिटर्न देने वाली कंपनी को मिला GST डिमांड का नोटिस, जानें शेयरों पर क्या होगा असर

जोमैटो को एक बार फिर से टैक्स डिमांड का नोटिस मिला है। इस बार कंपनी को एडिशनल कमिश्नर सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स गुरुग्राम की तरफ नोटिस आया है। जोमैटो को ब्याज और जुर्माने समेत 11.8 करोड़ रुपये भरने को कहा गया है। जोमैटो ने कहा कि वह इस फैसले के खिलाफ आगे अपील करेगी। जोमैटो के शेयरों ने पिछले एक साल में करीब 250 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

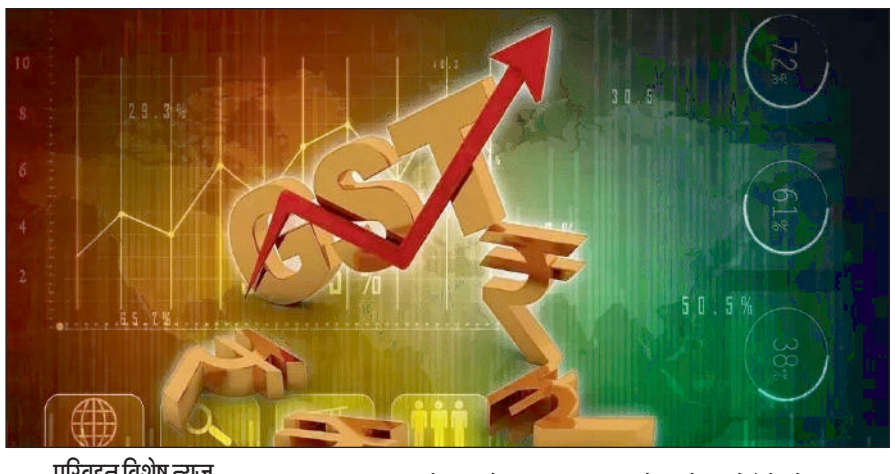

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो को एक बार फिर से टैक्स डिमांड का नोटिस मिला है। इस बार कंपनी को एडिशनल कमिश्नर, सेंट्रल गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स, गुरुग्राम की तरफ नोटिस आया है। जोमैटो को ब्याज और जुर्माने समेत 11.8 करोड़ रुपये भरने को कहा गया है।

दीपिंदर गोयल के मालिकाना हक वाली Zomato ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसे जुलाई 2017 से मार्च 2021 तक के लिए जीएसटी की डिमांड की गई है। इस दौरान जोमैटो ने अपनी विदेशी सब्सिडियरीज को एक्सपोर्ट सर्विसेज दी थी, जिस पर जीएसटी क्लेम किया गया था। लेकिन, नोटिस में कहा गया कि यह सर्विसेज छूट की शर्तों पर खरी नहीं उतरती।

नोटिस के खिलाफ अपील करेगी जोमैटो

जोमैटो ने कहा कि उसने नोटिस के जवाब में दस्तावेजों और न्यायिक मिसालों के जरिए अपना पक्ष रखा। लेकिन, अधिकारियों ने नोटिस जारी करते वक्त उसके स्पष्टीकरण पर गौर नहीं किया। जोमैटो ने कहा कि इस मामले में कानून के तहत उसका पक्ष मजबूत है और वह इस फैसले के खिलाफ आगे अपील करेगी।

इससे पहले भी जोमैटो को गुजरात और कर्नाटक जैसे राज्यों से टैक्स डिमांड का नोटिस मिला था। कंपनी ने उन सभी मामलों में भी अपना पक्ष मजबूत बताते हुए आगे अपील करने की बात कही थी।

Zomato के शेयर ने दिया है बंपर रिटर्न

जोमैटो का शेयर शुक्रवार (19 अप्रैल) को 1.78 प्रतिशत चढ़कर 188.50 रुपये पर बंद हुआ। पिछले 6 महीने में कंपनी ने 73 और एक साल में 248 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। इसकी इंस्टेंट ग्रोसरी डिलीवरी प्लेटफॉर्म ब्लिंकइट भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, जिसका कंपनी

इन कमाई पर नहीं लगता कोई टैक्स, जानकारी नहीं रहेगी तो हो जाएगा घाटा

अगर आपको माता-पिता से विरासत में कोई दौलत, जेवरात या नकदी मिलती है, तो आपको कोई टैक्स नहीं देना होगा। अगर आपके नाम कोई वसीयत है, तो उसके जरिए मिली रकम पर भी टैक्स नहीं देना होता।

परिवहन विशेष न्यूज

कई लोगों को लगता है कि हर तरह की कमाई पर सरकार को टैक्स देना पड़ता है। लेकिन ऐसा नहीं है। कुछ आमदनी के स्रोत ऐसे हैं जिन पर कोई टैक्स नहीं लगता। हालांकि आप इन पर टैक्स तभी बचा सकेंगे जब आपको नियमों की पूरी जानकारी होगी। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं कि किस तरह की इनकम पर कोई टैक्स नहीं देना होता।

नई दिल्ली। हर कोई अपनी मेहनत की कमाई पर टैक्स बचाना चाहता है। इसके लिए लोग तरह-तरह के उपाय भी करते हैं। लेकिन, कुछ इनकम ऐसी भी होती हैं, जिन पर टैक्स नहीं देना होता। इसमें आपको कुछ करना भी नहीं होता। बस आपको जानकारी होनी चाहिए, यह कमाई टैक्स के दायरे में नहीं आती।

विरासत या वसीयत में मिली दौलत

अगर आपको माता-पिता से विरासत में कोई दौलत, जेवरात या नकदी मिलती है, तो आपको कोई टैक्स नहीं देना होगा। अगर आपके नाम कोई वसीयत है, तो उसके जरिए मिली रकम पर भी टैक्स नहीं देना होता। हालांकि, आपको जो भी संपत्ति है, उससे होने वाली इनकम पर टैक्स देना पड़ेगा।

शादी में मिलने वाला उपहार

आपको शादी में दोस्त या रिश्तेदारों से जो भी उपहार (Gift) मिलता है, उस पर कोई टैक्स नहीं देना होता। लेकिन, यह गिफ्ट आपको शादी के आसपास ही मिला होना चाहिए। ऐसा नहीं है कि आपकी शादी आज है और आपको छह महीने बाद गिफ्ट मिले, तो उस पर टैक्स नहीं लगेगा। अगर गिफ्ट की वैल्यू 50 हजार रुपये से अधिक हो, तब भी टैक्स लगेगा।

पार्टनरशिप फर्म से मिला मुनाफा

अगर आप किसी कंपनी में साझीदार हैं और आपको शेयर ऑफ प्रॉफिट के तौर पर कोई रकम मिलती है, तो उस पर भी टैक्स नहीं देना होगा। दरअसल, इस रकम पर आपकी पार्टनरशिप वाली फर्म पहले ही टैक्स चुका चुकी होती है। हालांकि, यह छूट सिर्फ फर्म के मुनाफे पर है। अगर आपको फर्म से सैलरी मिलती है, तो उस टैक्स देना होगा।

जीवन बीमा क्लेम या मैच्योरिटी वाली रकम

अगर आपने लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदी है, तो क्लेम या मैच्योरिटी वाली रकम पूरी तरह से टैक्स फ्री होती है। हालांकि, शर्त यह है कि पॉलिसी का सालाना प्रीमियम उसके सम अस्योर्ड के 10 प्रतिशत से अधिक ना हो। अगर यह इससे अधिक हुआ, तो अतिरिक्त रकम पर टैस्स लगेगा। कुछ मामलों में यह छूट 15 प्रतिशत तक हो सकती है।

शेयर या इक्विटी MF से मिला रिटर्न

अगर आपने शेयर या इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश किया है, तो इन्हें बेचने पर 1 लाख रुपये का रिटर्न टैक्स फ्री होता है। इस रिटर्न का कैलकुलेशन लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (LTCG) के तहत होती है। हालांकि, इससे अधिक के रिटर्न पर LTCG टैक्स लगता है।

तेल कंपनियों ने अपडेट किए पेट्रोल-डीजल के भाव, जानिए आपके शहर में क्या है कीमत

परिवहन विशेष न्यूज

पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी हो गई हैं। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी किए कीमतों के अनुसार पेट्रोल और डीजल के दाम में ज्यादा बदलाव नहीं किया गया है। कंपनियां हर सुबह छह बजे तेल की कीमतें अपडेट करती है। आज राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.66 रुपये प्रति लीटर है।

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल- डीजल के अपकर दिए हैं। कंपनियां हर सुबह तेल की नई कीमतें जारी करती हैं। पेट्रोल-डीजल के दामों में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिला है। पेट्रोल और डीजल के दाम पहले की तरह ही बने हुए हैं। देश के चार प्रमुख महानगर दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में इनकी कीमतों में ज्यादा अंतर नहीं है।

महानगरों में तेल की कीमत

देश की राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 94.76 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक लीटर पेट्रोल 104.19 रुपये और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर है।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में पेट्रोल 103.93 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.74 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, चेन्नई में पेट्रोल 100.73 रुपये प्रति लीटर और एक लीटर डीजल 92.32 रुपये में मिल रहा है।

अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत

नोएडा : पेट्रोल 94.85 रुपये और डीजल 88.00 रुपये प्रति लीटर

गुरुग्राम : पेट्रोल 95.18 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर

हैदराबाद : पेट्रोल 107.39 रुपये और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर

लखनऊ : पेट्रोल 94.63 रुपये और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर

भोपाल : पेट्रोल 106.45 रुपये और डीजल 91.82 रुपये प्रति लीटर

पटना : पेट्रोल 105.16 रुपये और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर

जयपुर : पेट्रोल 104.86 रुपये और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़ : पेट्रोल 94.22 रुपये और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरु : पेट्रोल 99.82 रुपये और डीजल 85.92 रुपये प्रति लीटर

वित्त वर्ष 2023-24 में 19 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 1.65 करोड़ पहुंची ईपीएफओ सदस्यों की संख्या

परिवहन विशेष न्यूज

वित्त वर्ष 2023-24 में नए रजिस्ट्रेशन में सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की है। इसके साथ ही मेंबर्स की संख्या 1.65 करोड़ हो गई है। डेटा से पता चलता है कि ईपीएफओ ने 2018-19 में 61.12 लाख शुद्ध ग्राहक जोड़े थे जो 2019-20 में बढ़कर 78.58 लाख हो गए। इसके साथ ही 2023-24 में नए मेंबर 19 प्रतिशत से बढ़कर 1.65 करोड़ हो गए।

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में नए रजिस्ट्रेशन में सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज की है। इसके साथ ही मेंबर्स की संख्या 1.65 करोड़ हो गई है। इससे संकेत मिलते हैं कि देश में रोजगार की स्थित सुधरी है।

श्रम मंत्रालय के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि पिछले साढ़े छह साल में ही 6.1 करोड़ से अधिक सदस्य ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) से जुड़े हैं।

डेटा से पता चलता है कि ईपीएफओ ने 2018-19 में 61.12 लाख शुद्ध ग्राहक जोड़े थे, जो

2019-20 में बढ़कर 78.58 लाख हो गए। हालाँकि, 2020-21 में यह घटकर 77.08 लाख हो गया, जिसका मुख्य कारण कोरोना महामारी थी।

कोरोना काल में कम हुई थी EPFO मेंबर की संख्या

इसके बाद 2021-22 में फिर से सुधरकर 1.22 करोड़ और 2022-23 में 1.38 करोड़ हो गया। अधिकारी ने बताया कि ईपीएफओ ने 2022-23 में 1.38 करोड़ मेंबर जोड़े और 2023-24 में नए मेंबर 19 प्रतिशत से बढ़कर 1.65 करोड़ हो गए।

अधिकारी ने आगे बताया कि कोविड-19 महामारी के कारण देशव्यापी लॉकडाउन के चलते ईपीएफओ के सदस्यों की संख्या में गिरावट आई थी। महामारी खत्म होने के बाद प्रतिबंधों में ढील मिलने और इकोनॉमी ओपन होने के साथ सदस्यों की संख्या में फिर से तेजी देखने को मिली।

भीलवाड़ा लोकसभा के शक्करगढ़ में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की विजय शंखनाद महासभा में उमड़ा जन सैलाब

श्री रामलला के निमंत्रण को ठुकराने वालों को जनता कभी माफ नहीं करेगी , कांग्रेस के पास ना नीति है, ना नीयत है, ना नेता हैं : अमित शाह

परिवहन विशेष न्यूज

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के भीलवाड़ा लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के समर्थन में जहाजपुर विधानसभा के शक्करगढ़ में आयोजित विजय शंखनाद महासभा में कांग्रेस पर तीखे प्रहार करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने कहा कि श्री रामलला के निमंत्रण को ठुकराने वालों को जनता कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेस पार्टी ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नहीं पहुंचकर जनता का अपमान किया है। अपने चिर परिचित अंदाज में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर करारा वार करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी 70 साल से धारा 370 को संभालकर बैठी थी। मोदी जी ने इसे समाप्त कर दिया और कश्मीर को हमेशा के लिए भारत का हिस्सा बना दिया। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे कहते हैं कि राजस्थान वालों का कश्मीर से क्या लेना-देना। खड़गे जी को नहीं मालूम कि राजस्थान से कितने लोग सेना में हैं। कश्मीर के लिए राजस्थान की न जाने कितनी माताओं ने अपने लाल की बलि दी है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के पास ना नीति है, ना नीयत है, ना नेता हैं। एक ओर ये राहुल बाबा और उनकी बहन हर 3 महीने में विदेश में वैकेशन मनाने जाते हैं। प्रियंका गांधी चुनाव के बीच थाइलैंड छुट्टी मनाकर आई हैं। दूसरी ओर 23 साल से दीपावली की भी छुट्टी न लेने वाले नरेन्द्र मोदी हैं। एक ओर सोनिया का एजेंडा है कि मेरे बेटे को प्रधानमंत्री बनाओ। दूसरी ओर मोदी का एजेंडा है कि मेरे भारत को महान भारत बनाओ। पिछले 10 साल के अंदर मोदी जी ने जितने भी वादे किए, वो सभी वादे उन्होंने पूरे किए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कश्मीर और पूर्वोत्तर में शांति लाकर और नक्सलवाद को समाप्ति के कगार पर पहुंचाकर मोदी ने देश को सुरक्षित करने का काम किया। ये चुनाव स्पष्ट रूप से 2 खेमों में बंटा हुआ है। एक ओर 12 लाख करोड़ के घपले, घोटाले, भ्रष्टाचार करने वाली कांग्रेस पार्टी है। दूसरी ओर 23 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहने के बाद 25 पैसे का भी जिस पर आरोप नहीं है, ऐसे नरेन्द्र मोदी हैं। उन्होंने देश को सुरक्षित और समृद्ध करने का काम किया है। मोदी ने भारत को 10 साल में 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से 5वें नंबर पर पहुंचा दिया। नरेंद्र मोदी सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने का सबसे बड़ा काम किया है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा नरेंद्र मोदी ने एक झटके से ट्रिपल तलाक को हटाया है। नई संसद भवन बनाया गया, कर्त्तव्य पथ बनाया। अंग्रेजों के कानून को हटाकर नया कानून बनाया। 12 करोड़ शौचालय बनाकर माताओं-बहनों का सम्मान किया। 10 करोड़ लोगों को उज्ज्वला का कनेक्शन दिया। 14 करोड़ जनता को नल से जल दिया।

उन्होंने 2047 में विकसित भारत बनाने के लिए नरेंद्र भाई मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि राजस्थान की सभी 25 सीटों के साथ समूचे देश में इस बार भाजपा प्रचंड बहुमत से चुनाव जीत रही है। भीलवाड़ा में भी लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल को दिया गया हर वोट नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाएगा। भीलवाड़ा संसदीय क्षेत्र से भाजपा की जीत रिकॉर्ड तोड़ेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भीलवाड़ा के सांसद सुभाष बहेड़िया के कार्यकाल में केंद्र सरकार द्वारा कराए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि नेशनल हाईवे 158, जयपुर उदयपुर वंदे मातरम ट्रेन, भीलवाड़ा में मेडिकल कॉलेज, भीलवाड़ा से

आसींद व गुलाबपुरा रोड पर नेशनल हाईवे, भीलवाड़ा स्टेशन का जीर्णोद्धार यह सब सांसद बहेड़िया के विकास कार्यों के खाते में जाता है। उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा में को विकास कार्य कराए गए हैं वह केवल भाजपा के शासन में ही हुए हैं। उन्होंने राजस्थान की बात करते हुए कहा कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत केवल अपने बेटे के लिए काम कर रहे हैं। जबकि उनका बेटा भी बड़ी मार्जिन से हार रहा है। राजस्थान 25 की 25 सीटें भाजपा को देने जा रहा है। प्रथम चरण में कल जो चुनाव हुआ है, उसमें 12 की 12 सीटें नरेंद्र मोदी जी की झोली में जा रही है।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि महासभा में सान्निध्य प्रदान कर रहे आचार्य महामंडलेश्वर जगदीश पुरी जी महाराज ने कहा कि आज मंच पर देश के विकास में अपना योगदान देने वाले राजनीति के पंडित विराजमान है तो सामने सभा में भारतीय मूल परंपरा का अनुसरण करने वाले हजारों लोग बैठे हैं। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री डा किरोड़ीलाल मीणा ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में कांग्रेस राज में हुए भ्रष्टाचार और पेलरलीक कांड किसी से छुपे नहीं है। ये नरेंद्र मोदी की गारंटी थी कि पेपरलीक माफिया को बख्शा नहीं जाएगा और भजनलाल सरकार ने आते ही इस गारंटी को पूरा कर दिखाया और इसी का परिणाम है कि एक के बाद एक पेपर लीक के जिम्मेदार जेल की सीखचों के पीछे जा रहे हैं। उन्होंने व्यंग कसते हुए कहा कि अभी तो मछलियां पकड़ी गई है अब सारे मगरमच्छ भी जेल की हवा खाएंगे।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने मंचस्थ अतिथियों और उपस्थित हजारों कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि जनता जनार्दन 2014 से पहले की भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और आमजन विरोधी सरकार और 2014 के बाद की विकास और आमजन को समर्पित नरेंद्र मोदी सरकार के अंतर को अच्छी तरह समझ चुकी है। इसका असर लोकसभा चुनावों में भीलवाड़ा सहित प्रदेश की सभी 25 सीटों पर देखने को मिलेगा। भीलवाड़ा में भाजपा प्रचंड जीत के साथ देशभर में इतिहास बनाएगी। महासभा को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं क्लस्टर प्रभारी नारायण पंचारिया, लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल, सांसद सुभाष बहेड़िया, जिला प्रमुख बरजी देवी भील, लोकसभा सहप्रभारी गजपाल सिंह राठौड़, लोकसभा संयोजक शक्तिसिंह कालियास, लोकसभा समन्वयक अतर सिंह भडाना, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, विधायक उदयलाल भड़ाणा, लादूलाल पितलिया, लालाराम जी बैरवा, गोपीचन्द मीणा, गोपाल खण्डेलवाल, अशोक कोठारी ने भी संबोधित किया। लोकसभा सहसंयोजक रामपाल शर्मा, पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर, पूर्व विधायक डॉ. बी.आर. चौधरी, रामलाल गुर्जर, बद्री प्रसाद गुरूजी, पूर्व जिला प्रमुख शक्तिसिंह हाड़ा, रामचंद्र सेन सहित कई जनप्रतिनिधि मंचासीन रहे। महासभा का सफल संचालन जिला महामंत्री वेदप्रकाश खटीक ने किया।

इससे पूर्व हेलीपैड पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का भाजपा जिला संगठन के प्रदेश एवं जिला पदाधियारियों, मोर्चा जिलाध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों ने स्वागत अभिनंदन किया। महासभा में प्रधान करणसिंह बेलवा, चेयरमेन नरेश मीणा, जिला महामंत्री भगवतीप्रसाद जोशी, राजकुमार आंचलिया, जिला उपाध्यक्ष शंकरलाल जाट, मुकेश धाकड़, मंजू चेचानी, अविनाश जीनगर, जिला मंत्री गोपाल तेली, सुरेंद्र सिंह मोटरास, जिला कोषाध्यक्ष ललित अग्रवाल, जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया, मनोज बुलानी, अजय नौलखा, अजीतसिंह केसावत, नंदलाल गुर्जर, विनोद झुर्रानी, राकेश कसारा, कन्हैयालाल जाट, देवेंद्र डाणी, नंदभंवर सिंह कानावत, बृजराज खींची, रामप्रसाद टाक, भेरूलाल टाक, अशोक शर्मा, प्रहलाद सेन, सहित बड़ी संख्या में प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जर्मनी व लंदन से आए प्रवासी भारतीयों ने जनसंपर्क कर दामोदर अग्रवाल एवं भाजपा के पक्ष में मांगे वोट

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। जर्मनी में लंदन से आए प्रवासी भारतीयों ने भीलवाड़ा शहर में जनसंपर्क कर भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी दामोदर अग्रवाल के पक्ष में वोट मांगे , आज भीलवाड़ा में भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक कमल पुंगलिया तथा उनके साथ जर्मनी से आए राणा हरगोविंद व लंदन से आए डॉ चारु संखलेचा तथा जोधपुर से आए विजय किशन शर्मा, भीलवाड़ा भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ जिला संयोजक दीपक गुरनानी द्वारा कृषि फल फ्रूट मंडी में आयोजित कार्यक्रम में सभी व्यापारियों प्रवासियों व अन्य संगठनों के प्रतिनिधियों से अपील कर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की बात कही ,

प्रदेश भर में प्रकोष्ठ के पदाधिकारी व प्रवासी भारतीय लोकसभा सीटों पर जाकर जनसंपर्क कर मोदी के 400 पार सीटों के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सभाएं और बैठकें कर रहे हैं,, उसी क्रम में आज भीलवाड़ा में व्यापारी व प्रवासी लोगों की सभा आयोजित की गई

मीटिंग में प्रदेश पदाधिकारी द्वारा भीलवाड़ा में रह रहे हैं गुजराती समाज संगठन के प्रतिनिधिमंडल से भेंट की तथा उन्हें भाजपा के पक्ष में यहां वह गुजरात में वोटिंग करने की अपील की साथ ही उनकी कुछ स्थानीय समस्याएं भी सुनी और चुनाव के बाद उन के समाधान के प्रयास का

आश्वासन दिया..

भीलवाड़ा के गुजराती समाज द्वारा भारत व बाहर से आए अतिथियों का स्वागत सत्कार किया गया

विदेश से आए प्रवासी प्रतिनिधियों ने कहा कि मोदी के कारण विश्व भर में भारतीय समुदाय का गौरव बड़ा है और उन्हें विश्व में जहां भी भारतीय रह रहे हैं वहां उन्हें अब बड़े ही सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है,, साथ ही उनके लिए वीजा संबंधित नीतियों व विदेश में शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए कई समस्याएं आसान हो गई है, व सुविधा बढ़ गई है, इन सब का श्रेय मोदी की नीतियों को जाता है

आगे उन्होंने बताया कि वह विशेष रूप से सिर्फ अपना मतदान करने इतना दूर आए हैं और इस मुहिम में लोगों को आव्हान करने के लिए हर लोकसभा क्षेत्र में जा जाकर लोगों से मिल रहे हैं तथा अधिक से अधिक भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं...

मधेपुरा जिला मीडिया संयोजक महावीर समदानी में जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सहसंयोजक पुंगलिया ने कहा कि मोदी की नीतियां देश को हर क्षेत्र में विकास की ओर ले जा रही है तथा गरीब - श्रमिक - महिला - युवा आदि सभी वर्गों को लाभ पहुंच रहा है,

अर्थव्यवस्था व विकास की दृष्टि से देश तेजी से विश्व पटल पर उभर रहा है

उन्होंने कहा कि भीलवाड़ा से लोकसभा प्रत्याशी व प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल को पिछले लोकसभा चुनाव से भी अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज करवा कर दिल्ली भेजना है..

कार्यक्रम आयोजक लालचंद नथरानी तुलसीदास नथरानी, मंडी फल समिति अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चांदनानी, राजेंद्र पटेल , प्रभु भाई पटेल द्वारा अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया

कार्यक्रम में महेश पटेल, राकेश सनाढ्य संजय अजमेरा, घनश्याम जोतवानी , जीतेंद्र मोटवानी , अरुण सनाढ्य , सूरज नथरानी, मनोज, हीरा, प्रकाश नजवानी, प्रकाश झुरानी, विजय जेठानी आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ के मनोरम पर्यटन स्थल, गर्मियों की छुट्टियों में अवश्य करें इन जगहों की सैर

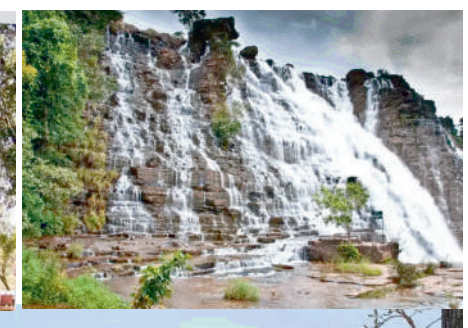

गर्मियों की छुट्टियों के लिए आप किसी शानदार जगह की तलाश में हैं? तो छत्तीसगढ़ आपके लिए एकदम सही विकल्प है। CG Top Tourist Place प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व से भरपूर यह राज्य पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां हम आपके लिए छत्तीसगढ़ के मनोरम पर्यटन स्थलों की सूची प्रस्तुत कर रहे हैं, जहाँ आप अपनी छुट्टियों का आनंद ले सकते हैं

मैनपाट

छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित मैनपाट एक अद्भुत पर्यटन स्थल है जो अपनी मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। हरी-भरी पहाड़ियों, घने जंगलों, शांत झरनों और रोमांटिक सुबह और शाम के साथ, यह प्रकृति प्रेमियों और हनीमून मनाने वालों के लिए एक आदर्श स्थान है। यहाँ कई झरनों में से, टाइगर प्वाइंट झरना अपनी भव्यता और शांत वातावरण के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है। मैनपाट को अक्सर "मिनी तिब्बत" और "सरगुजा का शिमला" के रूप में जाना जाता है। यह एक पठार पर स्थित है और जंगलों से घिरा हुआ है। यहाँ अभी भी बहुत कुछ खोजा जाना बाकी है, जिसमें सुंदर पहाड़ी ढलान, घने जंगल, झरने और अनछुई प्राकृतिक सुंदरता शामिल हैं।

चित्रकोट

छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले में स्थित चित्रकोट जलप्रपात, जिसे भारत का मिनी नियाग्रा भी कहा जाता है, अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता और राजसी भव्यता के लिए जाना जाता है। यह भारत का सबसे चौड़ा जलप्रपात होने का गौरव प्राप्त है और पर्यटकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय है।

तीरथगढ़ जलप्रपात

छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले में स्थित तीरथगढ़ जलप्रपात, अपनी मनमोहक सुंदरता और प्राकृतिक भव्यता के लिए जाना जाता है। यह जलप्रपात कांगेर नदी से निकलता है और सात स्तरों से नीचे गिरता हुआ एक गहरी घाटी में जाता है। तीरथगढ़ जलप्रपात अपनी तीव्र धाराओं, चट्टानी संरचनाओं और आसपास के हरे-भरे जंगलों के लिए प्रसिद्ध है।

अमृतधारा झरना

छत्तीसगढ़ राज्य के कोरिया जिले में हसदेव नदी पर स्थित यह अद्भुत झरना अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व के लिए जाना जाता है। झरने का पानी काफी ऊंचाई से नीचे गिरता है, जिससे एक सुंदर धुंध भरा माहौल बन जाता है। यह झरना न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए भी एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है, जहाँ एक प्राचीन शिव मंदिर भी स्थित है।

भोरमदेव

भोरमदेव मंदिर, या 'छत्तीसगढ़ का खजुराहो', नागर शैली में चट्टानी पत्थरों पर उकेरा गया एक प्राचीन हिंदू मंदिर है जो भगवान शिव को समर्पित है। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में स्थित, यह मंदिर 7वीं से 11वीं शताब्दी की अवधि में बनाया गया था और पर्वत श्रृंखलाओं के बीच खूबसूरती से स्थित है। कहा जाता है कि इन मंदिरों का निर्माण नाग वंश के राजा रामचन्द्र ने करवाया था। मंदिर में शिव लिंग पर अद्भुत नक्काशी की गई है और इसकी कलात्मक अपील आगंतुकों को आकर्षित करती है। भोरमदेव मंदिर कोणार्क के सूर्य मंदिर और खजुराहो मंदिर से मिलता जुलता है।

अचानकमार टाइगर रिजर्व

अचानकमार टाइगर रिजर्व, छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित, प्रकृति प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग है। यह विशाल राष्ट्रीय उद्यान बाघों, तेंदुओं, हाथियों, हिरणों और विभिन्न प्रकार के पक्षियों सहित समृद्ध वनस्पतियों और जीवों का घर है। चानकमार टाइगर रिजर्व में जीप सफारी का आनंद लिया जा सकता है। जीप सफारी आपको जंगल की गहराई में ले जाती है, जहां आप बाघों और अन्य जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में देख सकते हैं। हाथी सफारी आपको जंगल को एक अलग नजरिए से देखने का मौका देती है। अचानकमार टाइगर रिजर्व पक्षी देखने वालों के लिए एक स्वर्ग है। यहां विभिन्न प्रकार के पक्षी पाए जाते हैं, जिनमें तोता, मोर, और बगुला शामिल हैं।

बारनवापारा

बारनवापारा उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो शांत वातावरण और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेना चाहते हैं। यह घना जंगल, शांत झीलें, और ऊंचे पहाड़ों से युक्त है, जो इसे प्रकृति प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग बनाता है। आप बारनवापारा में विभिन्न प्रकार के वन्यप्राणियो को देखकर रोमांच का अनुभव कर सकते है.

आप सरकार ने पंजाब की जनता के उन सपनों को चकनाचूर किया - तरनजीत सिंह संधू समुद्री

परिवहन विशेष न्यूज

अमृतसर (साहिल बेरी) लोकसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की तरफ से हल्का पश्चिमी की वार्ड नं. 80 में सतीश पुंज की अध्यक्षता में एक भरवीं मीटिंग का आयोजन किया गया जिस दौरान लोकसभा प्रत्याशी तरनजीत सिंह संधू समुद्री ने मुख्य अतिथि के तौर पर हाजरी भरी जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष हरविंद्र सिंह संधू, अविनाश शैला, जिला महामंत्री मुनीश शर्मा, हल्का पश्चिमी इंचार्ज एडवोकेट कुमार अमित, संजीव कुमार, पुर्व उपाध्यक्ष पंजाब राकेश गिल, जिला यूथ प्रधान गौरव गिल, संजीव खौंसला विशेष तौर पर उपस्थित हुए। इस मौके पर तरनजीत सिंह संधू समुद्री ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पंजाब की जनता ने आप पार्टी को सत्ता सौंप कर जो बदलाव लाते हुए पंजाब को खुशहाल राज्य बनाने का जो स्वपन देखा था, आप पार्टी ने कुछ महीनों में ही पंजाब की जनता के उन सपनों को चकनाचूर कर दिया है। अब पंजाब

की जनता उस बदलाव से बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा कि आप सरकार के शासन में ला एंड आर्डर पुरी तरह से भंग हो गया है। पंजाब के हर शहर में गुंडागर्दी व नशा रुकने का नाम नहीं ले रहा, हर तरफ हाहाकार मची हुई है , जिसे रोकने में आम आदमी पार्टी विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि आप सरकार झूठी गारंटी देने वाली सरकार बनकर रह गई है जबकि भाजपा ने जो वायदा किया उसे पूरा करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि आज पंजाब में नीले कार्ड धारकों को दिए जाने वाला गेहूं, आयुष्मान कार्ड एवं अन्य ऐसी कई सहुलियत भाजपा की ही देन है, पर पंजाब सरकार केंद्र की सभी सहुलियतों को पूरी तरह लागू नहीं कर रहा है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में भाजपा अपनी प्रचंड जीत हासिल कर फिर से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाकर देश की खुशहाली व तरक्की में अपना योगदान देंगे। उन्होंने जनता से वायदा किया कि अगर अमृतसर में भाजपा जीत दर्ज करती है तो वह अमृतसर निवासियों की हर मुश्किल को दूर किया जाएगा। अंत में सतीश पुंज ने तरनजीत सिंह संधू समुद्री सहित अन्य आए हुए मेहमानों को सम्मानित भी किया। इस मौके मंडल प्रधान दर्शन लाल उप्पल, बंटी पंडित, विपन नैय्यर, दविंदर भनोट, राकेश कुमार, मनजीत मिंटा, शैंकी अरोड़ा, सन्नी वाल्मीकि, आदि उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023